डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 269 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 13 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

साल में एक-दो बार एम्बुलेंस के नाम पर चलने वाले वाहनों की होती है जांच, बाकी दिनों में छूट...

यातायात थाने में दो वर्ष से खड़ी जब्ती की एम्बुलेंस, नहीं आया मालिक

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मरीजों को दूसरे शहर में ईलाज के लिए लाने व ले जाने के लिए संचालित कथित एम्बुलेंसों पर दो वर्ष पूर्व कार्रवाई का डंडा घुमा था। तब, इन एम्बुलेंसों के मेडिकल परमिट सहित सभी जरूरी दस्तावेज मंगाए गए थे। कुछ सहुलियत के बाद चालानी कार्रवाई कर कई एम्बुलेंस यातायात थाने से छोड़ दी गई। लेकिन, पिछले दो वर्ष पूर्व कार्रवाई में एक एम्बुलेंस यातायात थाने में ऐसी भी खड़ी है, जिसका मालिक उसे लेने के लिए आज तक नहीं पहुंचा है। बताते हैं कि यातायात थाने से अनसुलझी कागजी कार्रवाई कंठस्थ की गई है, इसलिए यह परिस्थिति बनी है। उधर, बाकी अन्य एम्बुलेंसों को जरूर छोड़ा गया है, जिन्हें कागजी कार्रवाई पूरी करने के दावे किए गए हैं। शहर सहित जिलेभर में एम्बुलेंस के नाम पर अनेक वाहन दौड़ाए जा रहे हैं। हालांकि शहर में ऐसे वाहन भी हैं, जो एम्बुलेंस की स्थिति में ढले हुए हैं। लेकिन, अनेक वाहन ऐसे हैं, जिन्हें एम्बुलेंस तो कहा नहीं जा सकता है। यातायात थाने और परिवहन विभाग की कार्रवाई होती है, लेकिन साल में एक या दो बार। ऐसे में बाकी दिनों में छूट के साथ इनका परिचालन बरकरार है। एम्बुलेंसें बड़े अस्पताल के बाहर ही खड़ी रहती है। पूर्व में तत्कालीन कलेक्टर के एक प्रभावी आदेश से एम्बुलेंसों को जिला अस्पताल के ईर्द-गिर्द खड़े रहने पर प्रतिदिन चालानी कार्रवाई की जाने लगी थी। समय के साथ इस संदर्भ में व्यवस्था बदल गई।

फिर ढर्रा पुराना वाला हो जाता है बरकरार...

बड़े अस्पताल के बाहर यदि निजी गाड़ी एम्बुलेंस होकर चलती है तो इसका जिम्मा यातायात पुलिस का है। यातायात के जिम्मेदार निर्यात की जगह आयात की भूमिका में ज्यादा रहते हैं। कभी कभी चमकाने के उद्देश्य से कार्रवाई की शैली अपनाकर डंडा घुमा दिया जाता है। वापिस में ढर्रा फिर वैसा ही चलता है, जैसा प्राइवेट एम्बुलेंस वाले चलाना चाहते हैं। बता दें कि निजी एम्बुलेंसें कितनी रजिस्टर्ड है, इसकी जानकारी भी परिवहन विभाग से न तो यातायात को मिल पाई है और न ही अस्पताल प्रशासन को। मिली भी है तो सार्वजनिक नहीं हो पाई है। वर्तमान में भी एम्बुलेंसों की संख्या अस्पताल के बाहर बहुतायात में दिखाई दे रही है। जो बगैर रजिस्ट्रेशन के दौड़ रही है।

इनका कहना...

एक प्राईवेट गाड़ी जो एम्बुलेंस थी, डेढ़-दो वर्ष से यातायात थाने में खड़ी है। गाड़ी मालिक कागजात पूरे नहीं कर पाया है।

मनोज सोलंकी, यातायात थाना प्रभारी, मंदसौर

कार्ययोजना अटकी पड़ी, रूपरेखा बनाने में कोताही, रात्रि में पसरा रहता है अंधेरा...

ट्रांसपोर्ट नगर को दो दशक से विकसित कराने के दावे

कृषि मंडी प्रशासन द्वारा पहुंच रास्ते पर बनाया है सीसी रोड, यह ट्रांसपोर्ट नगर बसाने में बाहरी दिखावा

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शहर के बढ़ती आबादी और बेतरतीब यातायात की समस्या हल करने के एक उद्देश्य से करीब 20 वर्ष पूर्व ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की अवधारणा रखी गई। जमीन चिन्हित की गई। यहां रोड भी बनाया गया। भारी भरकम राशि खर्च की गई। इसके बाद से ही यहां ध्यान देना किसी भी जिम्मेदार ने मुनासीब नहीं समझा है। ट्रांसपोर्ट नगर को विकसित कराने के लिए दो दशक से दावे किए जा रहे हैं। यह दावे कितने वर्षों तक और होते रहेंगे, कहा नहीं जा सकता है। बता दें कि गत वर्ष कृषि मंडी द्वारा प्रशासन के सहयोग से ट्रांसपोर्ट नगर पहुंच रास्ते पर जरूर सीसी रोड बनाया गया है। फोरलेन की आकृति में बने सीसी रोड को देखकर अंदाला लगाया जाता है कि ट्रांसपोर्ट नगर की अंदर से अच्छी बसाहट होगी, लेकिन ये बाहरी दिखावा ही साबित हो रहा है। मंडी द्वारा रोड इसलिए बनाया गया था कि किसानों को मंडी परिसर तक अपनी उपज लाने में सुविधा हो सके। उधर, कुछ ट्रांसपोर्टर्स जरूर मुख्य रोड से सटे हुए हैं, जिन्हें यह रोड बनने से सुविधा हो गई है। बता दें कि ट्रांसपोर्ट नगर के विरान रहने की दशा में यहां शरारती तत्वों की भी चहल-पहल होती दिखाई दे रही है। सुबह से शाम तक हार-जीत के दांव भी यहां लगते देखे जा सकते हैं। इस जानकारी से ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के कर्ताधर्ता भी वाकिफ हैं, पर जानकर भी अनजान हैं।

दो दशक पूर्व ट्रांसपोर्ट नगर बनाने का देखा गया सपना अभी भी अधूरा ही है। हालांकि जमीन चयनित कर डामरीकरण आदि कार्य करा दिया गया था, लेकिन उस समय बनी अब सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई है। ट्रांसपोर्ट व्यापारियों ने नगर पालिका को कई बार ज्ञापन देकर शीघ्र कार्य कराने की मांग की है। वर्तमान में ट्रांसपोर्ट नगर के हाल बेहाल ही बने हुए हैं। पूरा क्षेत्र सुविधाओं को तरस रहा है। ट्रांसपोर्ट नगर में अंदर सड़कों की हालत बेहद खराब है। वहीं रात में अंधेरा ही अंधेरा रहता है। यदि कोई ट्रांसपोर्टर यहां आना भी चाहे तो अंधेरा देखकर ही उसका मन वापिस पलट जाएगा। बताते हैं कि नपा ने खंबे लगाए हैं तथा इलेक्ट्रीक कार्य ट्रांसपोर्ट नगर में किया है, लेकिन कार्य अधूरा ही पड़ा हुआ है। पूरे क्षेत्र में कहीं भी स्ट्रीट लाईट नहीं है। खंबे खड़े हो गए हैं लेकिन वायरिंग और लाईटिंग कार्य नहीं हो पाया है। वहीं मेन रोड पर सीमेंट कांक्रीट हुआ है, जबकि अंदर के मार्गों की हालत पूर्व की तरह जर्जर बनी हुई है। पेयजल की व्यवस्था यहां बिल्कुल नहीं है। इस संबंध में नपा का रवैया भी उदासीन बना हुआ है।

कांग्रेस एवं भाजपा का अध्यक्ष आसिन हुआ, प्रशासनिक कार्यकाल भी हुआ...

पिछली परिषद में व्यापारियों ने कई बार ट्रांसपोर्ट नगर को ठीक ठाक करने के लिए ज्ञापन व आवेदन दिए तथा कई बार शिकायतें भी की थी। लेकिन, पूर्व की परिषद में किसी भी अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने यहां ध्यान नहीं दिया। नतीजा जो पोल लगाए, वह भी खराब हो गए और जो सड़क बनाई थी, वह भी क्षतिग्रस्त होकर जर्जर हो गई। जबकि सड़क पर कोई भारी वाहन भी नहीं निकल सका है। नपा के पिछले कार्यकाल पर नजर डालें तो कोरोना काल के पूर्व नगर पालिका में कांग्रेस के हनीफ शेख अध्यक्ष रहे हैं। इसके बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर हनीफ शेख को हटाते हुए राम कोटवानी को अध्यक्ष बनाया गया। कोटवानी के हटने के बाद प्रशासनिक बॉडी ने यहां कार्यकाल संभाला। इतने वर्षों में कार्य में बाधा उत्पन्न होती रही। अब नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर हैं, जिनसे ट्रांसपोर्ट नगर को विकसित कराने की दरकार है।

सुलभ शौचालय जरूर बना, जिसका हो रहा उपयोग...

ट्रांसपोर्ट नगर में सुलभ शौचालय जरूर बना हुआ है, जिसका उपयोग भी हो रहा है। यहां हम्माल, और ट्रक ड्राईवर तथा खल्लासी का आना जाना भी रहता है। ऐसे में वे इसका उपयोग करते देखे जा सकते हैं। उधर, आसपास के दुकानों पर कार्य करने वाले कर्मचारियें के लिए भी सुलभ शौचालय कारगर बना हुआ है। पूर्व में व्यापारियों ने इसकी मांग रखी थी, जिसे मंजूर कर दिया गया था।

दो दशक में यातायात का दबाव हो गया कई गुना ज्यादा...

बता दें कि ट्रांसपोर्ट नगर इसलिए बनाया गया था कि शहर में यातायात का दबाव बढ़ रहा था। दो दशक में यातायात का दबाव बीस गुना बढ़ गया है। इसके बाद भी ट्रांसपोर्ट नगर नहीं बस पाया है। खर्च किए गए करोड़ों रुपए पानी में बह गए हैं, क्योंकि इस दिशा में किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। नपा प्रशासन ने अधूरा कार्य को उसे वहीं छोड़ दिया। इससे न तो व्यापारी वहां पहुंचे और न ही उन्हें जाने का मन हुआ। जो कुछ व्यापारी पहुंचे थे, वे भी पछताकर वापिस पुरानी पेढ़ी पर लौट आए।

शहर में होती है सड़कों पर ट्रकों से माल की ढुलाई...

ट्रांसपोर्ट नगर पूर्ण नहीं होने से वर्तमान में ट्रांसपोर्ट व्यापारियों को मजबूरी में सड़कों पर माल की ढुलाई करना पड़ रही है। इससे यातायात तो बाधित हो ही रहा है, साथ में वाहन चालकों को भी परेशानियां हो रही है। शहर में कई व्यस्ततम मार्ग ऐसे हैं, जहां इस समस्या से प्रतिदिन शहरवासियों को जूझना पड़ रहा है। इस संबंध में नपा सीएमओ सुधीर कुमार सिंह से बात करना चाही, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

100 सीसी बाइक की जगह ली 150-650 सीसी बाइक ने...

युवाओं की पसंद ने बढ़ाया सरकार का राजस्व

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। समय के साथ आ रहे बदलाव से सरकार और परिवहन विभाग को राजस्व का अच्छा खासा फायदा हो रहा है। हम बात कर रहे हैं मोटरसाइकलों की। 5 सालों में जिला परिवहन कार्यालय में मीडिल क्लास की पहली पसंद 100 सीसी वाहनों का रजिस्ट्रेशन ग्राफ 34 फीसदी तक गिर गया है। ये एक दशक पहले 92 प्रतिशत था और अब घटकर 58 पर आ चुका है। हालांकि इन वाहनों की जगा अब कूरजर कैटेगरी ने ले ली है, जिसमें हार्ले डेविडसन, रॉयल एनफील्ड, जावा, येजादी समेत अन्य कंपनियां हैं जो 150 से 650 सीसी कैटेगरी वाले वाहन बना रही हैं। बदली व्यवस्था से सरकार केसाथ परिवहन कार्यालय का रेवेन्यू भी बढ़ा है क्योंकि महंगे दामों वाले कूरजर वाहनों का रोड टैक्स कीमत के आधार पर लगता है।

यह कहता है परिवहन विभाग का आंकड़ा...

2019-20 से मई 2024 तक 5 सालों में 39 हजार 533 टू-व्हीलर रजिस्टर्ड हुए। इनमें से 34 फीसदी संख्या यानी 13 हजार 441 वाहन क्रूजर कैटेगरी (अधिकतम 650 सीसी) की है। जबकि शेष 66 फीसदी संख्या 26 हजार 92 अब भी 100 से 125 सीसी हैं। जो माइलेज अधिक देते हैं। इनमें से ज्यादातर रजिस्ट्रेशन जिला परिवहन मुख्यालय मंदसौर में हुए। वहीं वहीं सीमित अनुपात में शाममगढ़, सीतामऊ, पिपलियामंडी, दलौदा, गरोठ जैसे एरिया में भी कुजर वाहन चलन में है।

दस साल तक राज था 100 सीसी का...

खास बात ये है कि परिवहन विभाग में 2009 से 2019 तक 10 सालों में रजिस्टर्ड 92 फीसदी टू-व्हीलर 100 से 125 सीसी के थे। केवल 8 फीसदी हैवी कैटेगरी में रहे। बाद में नई तकनीक और नए मॉडल आए तो 2019-20 से मई 2024 के बीब 100 से 125 सीसी वाले टू-वीलर वाहनों का रजिस्ट्रेशन 34 फीसदी घटकर 92 फीसदी के बजाय 58 फीसदी पर आ गया। येघटी संख्या कूरजर कैटेगिरी में दर्ज हो गई।

पांच वर्षों में अपग्रेड हुई टेक्नोलॉजी, बीएस-6 इंजन में भी लगातार बदलाव...

इस मामले में वाहन मैकेनिक सहित वाहनों के बारे में जानकारी रखने वालों से हमने बात की। जिसमें उन्होंने बताया कि वाहनों के इंजन परफॉर्मिस के एक्सपर्ट बताते हैं कि पिछले 5 सालों में टेक्नोलॉजी इस कदर अपग्रेड हुई है कि 350 से 650 सीसी जैसे हैवी कैटेगरी बहनों में भी पावर, माइलेज और बेहतर परफॉर्मेंस आने लगी है। पहले के मुकाबले कंपनियां कॉम्पीटिशन के चलते कई टेस्टिंग के बाद मॉडल उतारती हैं। साथ ही बीएस-6 इंजन में भी लगातार बदलाव किया जा रहा है।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए जिपं सीईओ को सौंपा ज्ञापन

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन ने गुरुवार को धरना दिया। शुक्रवार को मंदसौर में फाउंडेशन के बैनर तले एक ज्ञापन जिला पंचायत सीईटो कुमार सत्यम को सौंपा गया है। यह ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम है, जिन्हें ज्ञापन भेजा जाएगा। ज्ञापन में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने के लिए मांगे उल्लेखित की गई है। इस हेतु समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाने की मांग की गई है। इस अवसर पर जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की जिलाध्यक्ष रानू भावसार, संयोजक नम्रता प्रीतेश चावला, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया यादव, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, प्रीति रोखले, रमादेवी माथुर, आरती दवे, गरिमा भाटी आदि उपस्थित रहे।

पंजीकृत संख्या एक नजर में कुल रजिस्टर्ड

साल कुल रजिस्टर्ड	कूरजर	कैटेगिरी
2019-20	8849	2992
2020-21	8714	2844
2021-22	8921	2970
2022-23	9104	3141
2024 में मई तक	3945	1494

(इसमें इलेक्ट्रिक, फोर व्हीलर अन्य भारी वाहन शामिल नहीं है)

पशुपतिनाथजी मंदिर में चढ़ावे की गणना समाप्त, आधा ड्रम भरे चिल्लर की गिनती बाकी...

दो महीने की चढ़ौत्री : 32 लाख पार हुआ गणना का आंकड़ा

कलेक्टर के आदेश से जिला सहकारी बैंक में जमा होने लगी है दानराशि

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पशुपतिनाथजी मंदिर की दानपेटियां गुरुवार को खोली गई थी। दो दिन की गणना में शुक्रवार को 13 लाख 48 हजार से ज्यादा राशि गिनी गई। इस प्रकार कुल 32 लाख 8 हजार 100 रुपए तक गणना का आंकड़ा पहुंच गया है। गुरु एक्सप्रेस में शुक्रवार के अंक में उम्मीद जताई गई थी कि बाकी दानराशि को मिलाकर चढ़ौती 30 लाख के पार पहुंचने की संभावना है, जो सटिक रही है। बता दें कि आधा ड्रम तक भरी हुई चिल्लर की गिनती बाकी है। आज शनिवार और कल रविवार की छुट्टी होने से आगामी दिनों में चिल्लर को गिना जाएगा। चिल्लर की गणना में समय ज्यादा लगता है। इन्हें अलग-अलग भी करना होता है। उधर, कलेक्टर के आदेश पर मंदिर समिति ने जिला सहकारी बैंक में नया खाता खुलवाया था। इस तरह वर्तमान में जो दानराशि प्राप्त हुई है, उसे जिला सहकारी बैंक में ही जमा करवाया गया है। अब संभवतः पशुपतिनाथजी मंदिर में प्राप्त चढ़ौती की राशि को इसी बैंक में जमा करवाया जाता रहेगा।

पशुपतिनाथजी मंदिर की बाकी दानपेटियां शुक्रवार को खोली गई। पहले दिन की शेष राशि और शुक्रवार को प्राप्त चढ़ौत्री की राशि की गणना हुई। पहले दिन गुरुवार को 18 लाख 59 हजार 300 रुपए गिने गए थे। दूसरे दिन 13 लाख 48 हजा 800 रुपए प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार दो दिन के गणना कार्य में 32 लाख 8 हजार 100 रुपए प्राप्त हुए। इसमें विदेशी मुद्रा में नेपाल देश का 5 एवं 10 का नोट, अरब अमीरात देश का 10 की करेंसी, कोरिया देश की एक हजार की दो करेंसी, कोरिया देश का ही 10 हजार की एक करेंसी प्राप्त हुई है। चांदी के आइटम 596 ग्राम निकले हैं, वहीं सोना 2 ग्राम प्राप्त हुआ है। दान पेटी की गणना कार्य में सरकारी विभाग के कर्मचारी, पटवारी, चौकीदार, जिला सहकारी बैंक के कर्मचारी, मंदिर के सेवकों आदि का सहयोग रहा है।

22 जुलाई से लगेगा सावन महीना...

सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई को होने जा रही है। इसके चलते पशुपतिनाथ मंदिर समिति ने मंदिर की दानपेटियां खोलने का निर्णय लिया गया था। वैसे भी दानपात्र को खोले हुए करीब दो महीने होने को आए थे। बताते हैं कि गर्भगृह की दानपेटी भर गई थी, ऐसे में सावन माह के कुछ दिन पूर्व ही दानपेटियां खोली गई। सावन माह में इस बार पांच सावन सोमवार आ रहे हैं। ऐसे में पूरे सावन माह में भक्ति की बयार बहेगी। सावन माह में भी पशुपतिनाथजी मंदिर की दानेपटियां में भक्तजन चढ़ावा अर्पित करेंगे, जिसमें अच्छा चढ़ावा प्राप्त होने का अनुमान है।

पांच साल से हो रहा था निर्माण का इंतजार,आखिरकार छठवीं बार मिली सफलता...

चौमहला ब्रिज निर्माण के लिए जारी हुआ वर्क ऑर्डर

2019 की बाढ़ में बह गया था पुल, वर्षा ऋतु बाद निर्माण कार्य चालू होने की संभावना

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्य की सीमा को जोड़ने वाले सीतामऊ व चौमेहला के बीच चंबल नदी पर बना ओवर ब्रिज 2019 की बाढ़ में बह गया था। तब से आज तक नए ब्रिज का निर्माण नहीं हो सका। टेंडर और वर्क ऑर्डर को लेकर लगातार सेतु विकास निगम पर लापरवाही के आरोप लगते रहे। लेकिन, कहीं न कहीं जनप्रतिनिधि भी इसके लिए जिम्मेदार है। राजस्थान और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री तक प्रयासों के बाद इस पुल को नहीं बनवा पाए। लेकिन अब मध्यप्रदेश और राजस्थान वालों के लिए राहत की बात है। पांच बार टेंडर की असफलता के बाद आखिरकार छठवीं बार टेंडर भी हो गया और वर्क आर्डर भी जारी हो गया। हालांकि चम्बल का जलस्तर बारिश में बढ़ जाता है। इसलिए संभावना है कि यहां बारिश बाद ही काम शुरु हो पाएगा।

एक माह में ब्रिज की लागत तेईस करोड़ तक पहुंची...

जानकारी के अनुसार पूर्व में मध्यप्रदेश शासन ने बजट में नए ब्रिज के लिए 18.94 करोड़ रुपए की मंजूरी दी थी लेकिन एसओआर के कारण एक माह में ब्रिज की लागत 15 से 20 फीसदी बढ़कर करीब 23 करोड़ रुपए पहुंच गई। अधिकारियों ने रिवाइज एस्टीमेट की प्रशासकीय स्वीकृति के लिए फाइल शासन को भेजी और स्वीकृति मिलते ही सेतु विकास विभाग ने टेंडर प्रक्रिया शुरू करवाई। सालभर में विभाग ने 5 बार टेंडर प्रक्रिया शुरू की, लेकिन पूरी नहीं हो पाई। छठवीं बार में जाकर बात बन पाई और कल्याण टोलवेन इंदौर का टेंडर हुआ। बता दें कि राशि को लेकर पूर्व में ठेकेदारों ने रुचि ही नहीं दिखाई।

84 गांवों का व्यापार-व्यवसाय हुआ प्रभावित...

मंदसौर जिले को राजस्थान की सीमा से जोड़ने वाले इस पुल से बड़ौद आगर, सारंगपुर, जीरापुर सहित अन्य स्थानों पर पहुंचने में सुगमता रहती है। दीपाखे ड़ा निवासी गजेंद्रसिंह व महिपालसिंह ने बताया कि धतुरिया ब्रिज के अभाव में क्षेत्र के 84 से अधिक गांवों का व्यापार व व्यवसाय प्रभावित हुआ हैं। अभी बिज नहीं होने पर यदि मंदसौर- सीतामऊ से चौमेहला जाना है तो सुवासरा या आलोट होकर जाना पड़ता है। इस कारण लोगों को 50 से 60 किमी का अतिरिक्त सफर करना पड़ता है। इससे समय व धन दोनों की बर्बादी हो रही है। मध्यप्रदेश और राजस्थान की सीमा को जोड़ने वाले इस पुल के बनने के बाद दोनों प्रांतों में व्यवसायी गतिविधियां तीव्र गति से चलने लगेगी। रोजगार के साधन भी बढ़ेंगे।

दोनों राज्यों के सीएम ने भी की थी बात...

वर्ष 2019 में जिले में आई बाढ़ के कारण सुवासरा-सीतामऊक्षेत्र में जिले को राजस्थान से जोडने वाला चंबल नदी पर बना पुल बह गया था। इसका निर्माण दोबारा आज तक शुरु नहीं हो पाया है। इस पुल के निर्माण केलिए राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुधंरा राजे तक ने मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से फोन पर बात की थी तो पुल बहने के बाद प्रदेश में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद इसके निर्माण का मुद्दा प्रतिष्ठा का प्रश्न बना और मांग बढ़ने लगी। ऐसे में प्रदेश सरकार ने चंबल नदी पर 18 करोड़ 64 लाख रुपए में पुल निर्माण की मंजूरी दे दी। लेकिन, अब तक टेंडर प्रक्रिया ही उलझी रही।

विधानसभा चुनाव में भी रहा मुद्दा...

कांग्रेस सरकार गिरने के बाद 2020 में प्रदेश मे सत्ता परिवर्तन हुआ और क्षेत्र के कांग्रेस के विधायक रहे हरदीपसिंह डंग भाजपा में आए ओर कैबिनेट मंत्री बने तो पुलिया निर्माण की मंजूरी की मांग ओर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ती चली गई। इसके बाद प्रदेश सरकार ने बजट के दौरान इस पुलिया निर्माण को मंजूरी दी लेकिन कुछ नहीं हुआ। विस उपचुनाव और चुनाव में यह मुद्दा बना रहा।

इनका कहना...

ब्रिज का टेंडर होने के बाद अब आदेश जारी हो गया है। दो दिन पहले ही आदेश हमें मिला है। सबसे पहले क्षतिग्रस्त ब्रिज का मटेरियल हटाने का काम शुरु हो जाएगा। इसके बाद ब्रिज का काम शुरु होगा।

-प्रवीण नरवरे, एसडीओ, सेतु विकास निगम, मंदसौर

बरखेड़ा जयसिंह ग्राम में घुसी चोरों की मंडली, तीन घरों से जेवर व नकदी चुराए

पिपलियामंडी, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बरखेड़ा जयसिंह ग्राम में बीती रात्रि चोरों की मंडली घुसी। बदमाशों ने तीन घरों को निशाना बनाया व यहां से लाखों कीमती सोने-चांदी के जेवर व नकदी उड़ा गए। पुलिस के अनुसार चोरों में दातारसिंह पिता माधुसिंह के घर में घुसकर करीब पांच लाख रुपए नकद व 10 तोला सोने के व 1 किलो चांदी के जेवर चोरी किए। इसी तरह विजेन्द्रसिंह पिता दातारसिंह के घर से 70 हजार रुपए नकदी चोरी की। भंवरसिंह पिता नाहरसिंह की किराना दुकान में चोरी की, यहां से चिल्लर व नकदी ले उड़े। इसके अलावा महेन्द्रसिंह पिता जोरावरसिंह के घर के बाहर से सांकल लगाई लोगों के जाग जाने पर चोर बालागुड़ा की ओर भाग निकले। सूचना पर पिपलिया पुलिस सुबह ग्राम में पहुंची व तहकीकात की। पुलिस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

विचार-मंथन

बारिश ने किया हर किसी का जीना मुहाल...

बरसात में जलजमाव और उससे शहरों का अस्त-व्यस्त जीवन अब हर वर्ष का स्थायी दृश्य हो गया है, मगर इसके मद्देनजर सरकार को पूर्व तैयारी करने की जरूरत शायद कभी महसूस नहीं होती। सामान्य से थोड़ा अधिक पानी बरसते ही शहरों की सड़कें लबालब हो जाती हैं, मुहल्ले तालाबों में तब्दील हो जाते हैं। लोगों का दफ्तर, स्कूल, व्यवसाय आदि के लिए निकलना मुश्किल हो जाता है। खासकर मुंबई के लोगों को हर वर्ष बरसात में ऐसी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। अभी बरसात का मौसम शुरू ही हुआ है और मुंबई में सड़कों पर पानी भर गया, रेल की पटरियां डूब गईं, कई रेलगाड़ियां रद्द करनी पड़ीं, बसें रुक गईं, कई दफ्तरों और स्कूलों में कामकाज बंद करना पड़ गया। यहां तक कि सोमवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों का कामकाज स्थगित करना पड़ गया। भारी बारिश की वजह से समंदर में ज्वार उठने के संकेत दे दिए गए। बरसात का असर रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली चीजों पर भी पड़ता है। अक्सर इस मौसम में फलों, सब्जियों के दाम इसलिए आसमान छूने लगते हैं कि माल ढुलाई में बाधा आती है। जिन इलाकों में भारी बरसात होती है, वहां फसलें चौपट हो जातीं और सब्जियों का उत्पादन घट जाता है। दिल्ली में बारिश की वजह से थोक मंडियों में सब्जियां नहीं पहुंच पाने से लोगों को ऊंची कीमत चुकानी पड़ रही है। हर वर्ष बरसात में जलभराव को लेकर विधानसभाओं में सवाल उठाए जाते हैं, लोग सड़कों पर उतर कर आंदोलन करते देखे जाते हैं। हर बार आश्वासन दिया जाता है कि जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी, मगर स्थिति फिर भी जस की तस बनी रहती है। पिछले वर्ष दिल्ली में बाढ़ आई और यमुना उफन कर लाल किले तक पहुंच गई, तो काफी शोर मचा था। तब दिल्ली सरकार ने कहा था कि हरियाणा ने बिना चेतावनी दिए पानी छोड़ दिया, इसलिए यह समस्या उत्पन्न हुई। इस वर्ष दावा किया गया था कि पिछले वर्ष जैसी समस्या नहीं आएगी। मगर पहली ही बारिश में जिस तरह कई इलाकों में जलजमाव देखा गया, उससे लगता नहीं कि समस्या का समाधान हो गया है। शहरों में जलजमाव की बड़ी वजह बरसात से पहले नालों की समुचित सफाई न होना पाना है। जिन नालों और नालियों की गाद निकाली जाती है, उसे किनारे पर छोड़ दिया जाता है, जो बरसाती पानी के साथ बह कर फिर से नालियों में भर जाता है। कई जगहों पर जलनिकासी का समुचित प्रबंध न किया जाना भी बड़ी वजह है। जिन इलाकों में अनियोजित तरीके से बस्तियां बसा दी गई हैं, वहां जलनिकासी के इंतजाम नहीं किए गए। जो नालियां बनी भी हैं उनकी पर्याप्त क्षमता नहीं है, जिसके चलते सामान्य से जरा भी अधिक पानी बरसता है, तो उसे निकलने में काफी वक्त लग जाता है। समझना मुश्किल है कि शहरों की नगर पालिकाएं हर वर्ष इस समस्या का सामना करती हैं, फिर भी वे कोई स्थायी समाधान निकालने का प्रयास क्यों नहीं करतीं। महाराष्ट्र विधानसभा में जलभराव को लेकर हंगामा हुआ, दिल्ली में भी इसे लेकर सियासी रस्साकशी हुई। जब-जब समस्या गंभीर होगी, सब इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास करेंगे। मगर जलभराव जैसी समस्या का समाधान इतना जटिल क्यों बना हुआ है, यह समझ से परे है। आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर भी लापरवाही बरती जाती है। इसका नतीजा हर वर्ष लोगों को जलजनित बीमारियों के रूप में भी भुगतना पड़ता है।

ब्रिटेन की नई हुकूमत के समक्ष चुनौतियों की भरमार?

डॉ. रमेश ठाकुर

भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन के चुनाव परिणामों ने अचानक मौसम गर्मा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेन वासियों ने तकरीबन-तकरीबन एक तरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली 'लेबर पार्टी' ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख 'कीर स्टार्मर' फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं? आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेनी नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया, काफी प्रभावित और आकर्षित भी हुए। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें लंदन के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे। भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधान मंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय'नॉर्थलेरटन'सीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरुआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे। ताज्जुब वाली बात ये है कि 'नॉर्थलेरटन' वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग-समर्थक भी उनसे छिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कईयों की तो जमानतें भी जब्त हुई हैं। लंदन और भारत के मौजूदा चुनावों ने एक बात ये बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं? कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे है कि फला समुदाय या मतदाता उनका है? बहरहाल, ब्रिटेन में आए चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। कमोबेश, फाइनल नतीजे उसके आसपास ही रहे हैं। आए नतीजों को देखकर लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। ब्रिटेन चुनावों की सूनामी में ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी की एकदम उड़ गई। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना? इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी लंदन के चुनाव में खूब उछला। बहरहाल, ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह खड़ा हो चुका है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत कोई बड़ी बात नहीं? बदलाव होते रहते हैं और होने भी चाहिए? किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें? हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता 'कीर स्टार्मर ब्रिटेन' के अगले शासक बनने के लिए दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए। निसंदेह लेबर पार्टी के लिए ये जीत करिश्माई है। उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चरमराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा। पनपते नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिलावजह दखलदांजी को रोकना, उर्जा श्रोत्रों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना। भारत के साथ मधुर हुए संबंधों को यथावत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होगा।

सफलता के लिए सबसे जरूरी है लगातार प्रयास

अमिताभ स.

सच है कि मंजिल हासिल करने के लिए अभ्यास सबसे बड़ी कुंजी है। अभ्यास की बड़ी खूबी है कि इसे करने से अनाड़ी से अनाड़ी भी खिलाड़ी बन जाता है। अभ्यास करते-करते भी जब तक मंजिल न मिले, तब तक बेशक सब असंभव लगे, लेकिन देर-सवेर मंजिल शर्तिया हासिल हो जाती है। इसीलिए तीसरी तक की प्राथमिक कक्षाओं में श्रुतिलेख में त्रुटियों के सुधार के लिए हर गलत शब्द को कई बार लिखवा कर अभ्यास करवाया जाता है। वास्तव में, इस तरह अभ्यास करने से हर गलती को सुधारने और फिर हर काम को करने की महारत हासिल करने में ज्यादा वक्त नहीं लगता। बड़ा या छोटा, हर कुछ पाने के लिए अभ्यास करना ही पड़ता है। क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी अक्सर बताते हैं कि 'मेरी बारहवीं की परीक्षा और मेरे मैच भी साथ-साथ चल रहे थे। मुझे परीक्षा देनी थी, फिर ट्रेन पकड़ कर मैच खेलने जाना था और मैच खेल कर लौटना था। लेकिन दुविधा थी कि पिताजी को कैसे बताऊं! बड़ी हिम्मत बटोर कर पिताजी को बताया, तो उन्होंने सहजता से समझाया कि अगर साल भर मेहनत की होगी, तो एक दिन से फर्क नहीं पड़ेगा और अगर साल भर मेहनत नहीं की होगी तो भी एक दिन में कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।'बच्चों और बड़ों की मनपसंद लूडो और सांप-सीढ़ी जैसे खेल की तरह जिंदगी भी अभ्यास का खेल है। इनका पासा कभी मनचाहा अंक नहीं देता, तो कभी जरूरत के अंकों की बौछार कर देता है। फिर भी अगला पांसा फेंकना जारी रखना पड़ता है। अगर हम उड़ नहीं सकते, तो दौड़ें। अगर दौड़ नहीं सकते, तो चलें। अगर चल भी नहीं सकते, तो रेंगते-रेंगते बढ़ें। यानी कुछ भी हो, हमेशा आगे बढ़ते रहा जाए, बढ़ने का अभ्यास जारी रखा जाए। जब कभी लगे कि हार गए, तो भी एक उम्मीद फिर भी बची रह जाती है कि थोड़ा और अभ्यास कर लिया जाए। महज इतने भर से बाजी पलट जाती है। यानी जीवन में मंजिल हासिल करने का एक ही रास्ता है- अभ्यास जारी रखा जाए। सबसे खुशकिस्मत वह है, जिसे जिंदगी में जब-जब अवसर मिले, वह अभ्यास करते रहने के लिए तैयार रहे। केवल ऐसे कर्मशीलों के लिए ही राहें खुलती जाती हैं। नीदरलैंड के महान विद्वान डेसिडेरियस इरेजमस कहते हैं, 'इंसान के सिवा सभी प्राणी अपने में संतुष्ट रहते हैं, केवल इंसान ही आगे बढ़ने के प्रयास और अभ्यास करता है।' जब इंसानी फितरत ही अभ्यास करना है, तो फिर अभ्यास क्यों छोड़ना? इसलिए अभ्यास का दामन थामे रहने में ही भलाई है। निस्संदेह हर इंसान के भीतर असीम शक्ति है। छोटे से छोटे अवसरों का समय पर उपयोग किया जाए, तो बड़े अवसर खुद सामने आकर खड़े हो जाते हैं। कोई भी शुरू में बड़े काम नहीं करता, छोटे-छोटे काम करता हुआ आगे बढ़ता है। बस, केंद्रित रह कर करते जाना ही हर सफलता की चाबी है। कोई किसी भी क्षेत्र में जुटा हो, उसे खास अवसर के लिए तैयार रहना है और अवसर हाथ लगते ही अपनी पूरी शक्ति झोंक देनी है। ऐसा करने वाला कतई असफल नहीं हो सकता। लेकिन ऐसा तभी मुमकिन है, जब करत-करत अभ्यास के सिद्धांत को निरंतर अपनाया जाए, और उस पर पूरी तरह अमल किया जाए। करने की नीयत, खुद पर भरोसा और कड़ी मेहनत हमेशा बेहतर मौके मुहैया कराती है। लेखक सैम्युएल स्माइल्स मिले अवसर गंवाने पर दो टूक कहते हैं- 'कम इसलिए हासिल हुआ, क्योंकि उसे करने के प्रयत्न कम हुए।' यानी सर्वश्रेष्ठ पाने के लिए अभ्यास कम हुए। कुछ साल पहले एक जानी-मानी अभिनेत्री ने एक टीवी रियलिटी शो में जाहिर किया था कि 'हर माता-पिता की तरह मेरी मां ने मेरे जन्म से पहले न केवल नाम तय किया, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर दिया कि मुझे चोटी की नर्तकी और अभिनेत्री बनाएंगी। फिर वे इसे मुमकिन करने में जुट गईं और ऐसा ही कर दिखाया।' यानी अभ्यास कुछ हासिल करने के लिए योग्यता से बड़ कर है। योग्यता, क्षमता और प्रतिभा के तभी मायने हैं, जब करने की इच्छा से आगे बढ़ें और सही नीयत से अभ्यास करते रहें। जब तक अभ्यास को सक्रिय न रखा जाए, तब तक काबिलियत का कोई मूल्य नहीं है। मशहूर शायर अल्लामा इकबाल ने भी फरमाया है- 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है।' सच ही है कि जीवन में वही लोग सफल होते हैं, जो जानते हैं कि वे सफल होंगे। आविष्कारक थामस एडिसन की राय में, 'कतई मत कहिए कि मैं निन्यानबे बार हारा हूं, बल्कि कहें कि मैंने हारने की निन्यानबे वजहें ढूंढी हैं।

उ.प्र. भाजपा में क्यों नहीं उभर रही है दलित लीडरशिप

बीजेपी आलाकमान ने एहतियात के तौर पर जो कदम उठाये हैं उसमें लोकसभा चुनाव के परिणाम से सीख लेते हुए भाजपा ने दलितों में नए सिरे से पैठ बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सरकार व संगठन में दलितों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश से जो झटका मिला है, उससे बीजेपी आलाकमान अभी तक उबर नहीं पाया है। हार की कई स्तरों पर लगातार समीक्षा हो रही है। बीजेपी प्रत्याशियों की हार और वोट प्रतिशत में गिरावट के लिये फिलहाल कई छोटे-छोटे के अलावा दो-तीन बड़े कारण नजर आ रहे हैं। इसमें प्रत्याशियों के प्रति जनता की नाराजगी के अलावा ओबीसी और दलित वोट बैंक के खिसकने को सबसे बड़ी वजह समझा जा रहा है। इसी के चलते पार्टी के सजातीय मंत्रियों और पदाधिकारियों की लगाम कसने के साथ अब इस वोट बैंक को वापस भाजपा की तरफ लाने की जिम्मेदारी भी सजातीय नेताओं को सौंपी गई है। भाजपा आलाकमान दलित मंत्रियों के साथ ही अनुसूचित मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहा है, लेकिन कुछ पहलू ऐसे भी हैं जिसकी ओर अभी तक ना तो बीजेपी आलकमान और ना ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्यान दिया है। इसमें सबसे बड़ा कारण पार्टी और सरकार के स्तर पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूरी सरकार को अपने पास केन्द्रित कर लेना है। स्थिति यह हो गई थी कि यूपी में योगी ही सब कुछ हो गये थे, यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक यूपी प्लस योगी बहुत हैं उपयोगी जैसे जुमले बोलने लगे थे। स्थिति यह हो गई थी कि जो वोटर अपने जनप्रतिनिधि से सीधे सम्पर्क में रहता है उसी जनप्रतिनिधि के अधिकारों को सीज कर दिया गया था,कई मौकों पर वह (विधायक/सांसद) अपने वोटरों को चाह कर भी इंसाफ नहीं दिला पाते थे, क्योंकि उनकी न तो सरकार में सुनवाई हो रही थी, न ही अधिकारी अथवा पुलिस उनकी सुनती थी। क्योंकि ऊपर से आदेश पास हुआ था कि कोई बीजेपी का नेता किसी सरकारी अधिकारी अथवा थाना-चौकी पर नहीं जायेगा। ऐसे में कोई नेता या जनप्रतिनिधि थाने-चौकी पर जाने की हिमाकत कर लेता था तो उसको बेइज्जत होना पड़ता था। नतीजा यह होता जनप्रतिनिधि अपने ही मतदाताओं की नजरों में उतर जाता। वह वोटरों से कटने लगता, जिसकी परिणिति लोकसभा चुनाव में हार के रूप में बीजेपी को चुकानी पड़ी। अब जब बीजेपी के नेताओं कार्यकर्ताओं की सुनी जा रही है तो वह अपना दर्द बयां कर रहे हैं। उनके द्वारा दलितों और ओबीसी समाज में भाजपा को लेकर नाराजगी की वजहें गिनाई जा रही हैं। सूत्रों की माने तो कई मंत्री और नेता बेरोजगारी के अलावा पार्टी में जातीय कार्यकर्ताओं को तवज्जो न मिलना हार का एक बड़ा कारण बता रहे हैं।कहा यह भी जा रहा है कि उत्तर प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष किसी दलित को बनाया जाये, जिससे दलित वोटरों में अच्छा मैसेज जायेगा। कुछ लोगों ने तो यह भी आरोप लगाये कि दलित अधिकारियों को थानेदारों और तहसीलदारों की नौकरियां तो मिलती हैं लेकिन उन्हें पोस्टिंग में दरकिनार रखा जाता है। पार्टी नेताओं ने आउटसोर्सिंग और कॉन्ट्रेक्ट की नौकरी में दलित-ओबीसी समाज के लिए आरक्षण नहीं होने को राज्य में पार्टी की हार की बड़ी वजह बताया है। सरकार और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से नाराज नेताओं ने कहा कि यह चिंतनीय है कि आखिर सरकार के बेहतर काम के बावजूद लोकसभा चुनाव में आश्चर्यजनक तरीके से पहली बार बसपा से कट कर दलित वोट सपा और कांग्रेस की ओर चला गया।

जिले के सभी किसान 31 तक कराएं फसल बीमा

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंदसौर द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसान जिले में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड के माध्यम से अपनी खरीफ फसलों का बीमा 31 जुलाई 2024 तक करा सकते है। ऋणी कृषकों को संबंधित वित्तीय संस्था के माध्यम से फसल बीमा किया जाएगा, जबकी अऋणी कृषक संबंधित बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर, पोस्ट ऑफिस, जिले में संचालित सहकारी केन्द्रीय बैंक साथ ही एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा संपूर्ण जिले में अऋणी कृषकों का फसल बीमा करा सकते है। अऋणी कृषकों के लिए बीमा कराने हेतु दस्तावेज भू अधिकार पुस्तिका या बी-1, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति तथा फसल बुवाई प्रमाण पत्र आवश्यक है, जिसे किसान स्वयं स्वप्रमाणित कर सकता है। अधिक जानकारी के लिए फसल बीमा के टोल फ्री नंबर 18005707115 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में देश व प्रदेश प्रगति के पथ पर है अग्रसर-सिसौदिया

राजेश भंडारी

नीमच, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केंद्र में लगातारतीसरी बार भाजपा की सरकार बनने व मध्य प्रदेश में लोकसभा की सभी 29 सीट पहली बार भाजपा द्वारा जितने वमध्य प्रदेश सरकार के कार्यकाल में प्रस्तुत बजट को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से चर्चा करते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता वह मंदसौर के पूर्व विधायक यशपाल सिसोदिया ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में देश व प्रदेश निरंतर प्रगति के पथपर अग्रसर है लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व उनके सहयोगी दलों ने नकारात्मक प्रचार कर वह संविधान को बदलने की बात कह कर मतदाताओं को भ्रमित करने का कार्य किया लेकिन वह इसमें पूरी तरह से सफल नहीं हो सके।

रोजगार के क्षेत्र में हुआ उल्लेखनीय कार्य-श्री सिसोदिया ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में 12 करोड 5 लाख नवीन रोजगारों का सृजन किया गया जबकि कांग्रेस के 10 वर्षों के कार्यकाल में मात्र 2 करोड से अधिक लोगों को रोजगार मिल पाया था 10 वर्ष के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 15 बार सम्मानित किया गया लेकिन 10 वर्ष में मनमोहन सिंह को मात्र दो बार सम्मानित किया गया।

महंगाई पर हुआ कुशल प्रबंधन-सिसोदिया ने कहा कि महंगाई को लेकर विपक्ष भाजपा पर लगातार आरोप लगाता रहा है लेकिन प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर यह हम कह सकते हैं कि महंगाई पर भाजपा सरकार का कुशल प्रबंधन हुआ है और महंगाई नियंत्रण में है।

अनेक जनहितैषी योजनाएं की लागू-सिसोदिया ने चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र वह भाजपा की सरकार में अनेक जनहितैषी योजनाएं लागू की है जिसका लाभ देश की जनता को मिल रहा है प्रधानमंत्री आवास, घर घर जल ,कृषि क्षेत्र हेतु उन्नति के कार्य, आयुष्मान मध्य प्रदेश, प्रधानमंत्री आवास, मेडिकल कॉलेज, महिला सशक्तिकरण ,वअनेक ऐसी योजनाएं हैं जींससे समाज के मध्यम व गरीब वर्ग के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

शीघ्र होगी प्रभारी मंत्रियों की नियुक्तियां-प्रदेश सरकार को बने 6 माह से अधिक समय होने के बाद भी जिले में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्तियां नहीं हो पाने संबंधी प्रश्न के जवाब में यशपाल सिसोदिया ने कहा कि लंबी चुनाव आचार संहिता के कारण इसमें देरी हुई है वह शीघ्र ही जिले में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्तियां होगी साथ ही सहकारिता चुनाव ,मंडी चुनाव को लेकर भी सिसोदिया ने कहा कि यह चुनाव भी शीघ्र ही होंगे।

एक पौधा मां के नाम -श्री सिसोदिया ने कहा कि संपूर्ण देश में एक पौधा मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है और इसको लेकर प्रदेश में भी व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है इंदौर में 51 लाख पौधों का वृक्षारोपण किया जा रहा है यह एक मानवता के प्रति संदेश है जिसमें आम जनता अपनी भागीदारी निभा रही है।

पदभार ग्रहण न करने वाले की नियुक्तियां हुई निरस्त-सिसोदिया ने चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश सरकार ने नीमच मंदसौर , सतना के मेडिकल कॉलेज में नियुक्त 38 प्रोफेसर की नियुक्तियां उनके द्वारा तय समय के अंदर पदभार ग्रहण नहीं करने के कारण निरस्त कर दी है आने वाले समय में शीघ्र ही नयी नियुक्तियां होगी वह नीमच के साथ ही मंदसौर का मेडिकल कॉलेज भी प्रारंभ होगा।

यह थे उपस्थित-पत्रकार वार्ता के प्रारंभ में भाजपा जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार ने सभी पत्रकारों का स्वागत करते हुए पत्रकार वार्ता के आयोजन के संबंध में जानकारी दी। पत्रकार वार्ता में नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक माधव मारू, प्रदेश कार्य समिति सदस्य महेंद्र भटनागर, भाजपा नेता सुखलाल पवार, मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश काबरा, कृष्णा शर्मा आदि उपस्थित थे।

विदेश में उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति के लिए 31 जुलाई तक होंगे आवेदन

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सामान्य, अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए छात्रवृत्ति योजना सत्र 2024-25 (सत्र जुलाई से दिसम्बर 2024) के अन्तर्गत आवेदन आंमत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 निर्धारित की गई है। योजनांतर्गत पात्र विद्यार्थी आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई को सायं 6 बजे तक कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय, तृतीय तल, सतपुडा भवन, भोपाल में स्वयं अथवा वाहक अथवा डाक द्वारा द्वारा अपना आवेदन जमा कर सकेंगे। अपात्र/अपूर्ण/त्रुटिपूर्ण एवं निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन विचारणीय नहीं होंगे। अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए) प्राप्त करने के लिये राज्य सहायता छात्रवृत्ति में आवेदन करने के लिए विद्यार्थी, मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। विद्यार्थी का अर्हकारी परीक्षा स्नातक/स्नातकोत्तर में 60 प्रतिशत से अधिक अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित सूची में सम्मिलित विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में अध्ययन के लिये प्रवेश (ऑफर लेटर) प्राप्त करना अनिवार्य है।

मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय व मत्स्य परिवहन पर 15 अगस्त तक प्रतिबंध

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा-3(2) के अंतर्गत 15 अगस्त 2024 तक की अवधि में मत्स्याखेट निषेध किया गया है। इस दौरान मत्स्याखेट की रोकधाम मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय व मत्सय परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा-3(2) के प्रावधानों के विरूद्ध एवं मत्स्य क्षेत्र संशोधन अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लघनकर्ताओं को एक वर्ष तक का कारावास या 5 हजार रूपये का जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जाएगा।

चलिए पैदल द्वितीय कावड़ यात्रा सोमनाथ महादेव मंदिर से केदारेश्वर

मनासा, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सावन का पवित्र महीना शुरू होने वाला है कावड यात्रा भी शुरू हो जाती है सावन के महीने में कावड यात्रा का विशेष महत्व होता है। सावन माह की 28.7. 2024 रविवार से 29.7. 2024 सोमवार तक रामपुरा रोड सोमनाथ महादेव मंदिर से नगर भ्रमण करते हुए पांडवों द्वारा स्थित पित केदारेश्वर महादेव मंदिर रामपुर तक जावेगी। बताते हैं भगवान शिव की भक्ति के लिए सावन मास को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है।सावन मास में भगवान शिव के भक्त कावड यात्रा लेकर महादेव को गंगाजल अर्पित करते हैं। कावड उठाकर बाबा भोलेनाथ को जल मनासा से केदारेश्वर बाबा भोलेनाथ को अर्पित करना है तो आप नीचे दिए हुए स्थान पर संपर्क कर सकते हैं। जिस किसी भक्त को कावड यात्रा का पंजीयन करवाना है तो वह सोमनाथ महादेव मंदिर मनासा से सपर्क करें ।

आगामी कार्यों को लेकर जिला भाजपा की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद माननीय विष्णुदत्त शर्मा जी के निर्देशानुसार आगामी जुलाई-अगस्त माह में संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर आज भाजपा जिला कार्यालय मंदसौर पर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक पर संपन्न हुई। बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया,विधायक हरदीपसिंह डंग, भाजपा जिला महामंत्रीगणपतसिंह आंजना, राजेश दीक्षित मंचस्थ रहें। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने की। बैठक के प्रारंभ में डॉ श्यामा प्रसादमुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया तत्पश्चात मंचस्थअतिथियों का स्वागत जिला पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने बताया कि आप सभी पदाधिकारियों के सहयोग से हमने पूर्व में प्रदेश भाजपा द्वारा निर्देशित समस्त संगठनात्मक कार्य समय पर पूर्ण किये है आने वाले संगठनात्मक कार्य भी आप सभी के सहयोग और समर्पण से हम प्रदेश संगठन की मंशा अनुसार पूर्ण करेंगे। प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार हमे अपने जिले के सभी मंडलों में 15 जुलाई तक मंडलों की वृहद बैठके आयोजित करना है। 13 से 20 जुलाई के बीच हमें प्रत्येक मंडल में शक्ति केन्द्र सम्मेलन आयोजित कर बूथ समिति का सम्मान समारोह कार्यक्रम करना है, आप सभी मंडलअध्यक्ष अपने-अपने मंडल में इस कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना बनाकर अवगत करावें। इसी प्रकार 21 जुलाई को गुरु पुर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों मे मठ मंदिर आश्रमों में जाकर सहभागिता सुनिशिचित करें। 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सेनिकों के सम्मान एवं शहीदों को पुष्पांजली अर्पित की जाना सुनिश्चित करें। 28 जुलाई को मंडल के प्रत्येक बूथ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का सामुहिक कार्यक्रम आयोजित करें। इसी प्रकार 23 जून से 4 अगस्त तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आव्हान पर भावनात्मक कार्यक्रम के रुप मे हमें एक पेड मां के नाम अभियान को गति देना है।इसी प्रकार लोकसभा चूनाव में एतिहासिक विजय श्री प्राप्त होने पर क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता जी के उपस्थिति में जिला के सभी मंडलों मे मतदाता अभिनन्दन यात्रा निकाली जाना है इस यात्रा की समुचित रुप रेखा बनाकर शीघ्र ही जिला भाजपा कार्यालय पर अवगत करावें ।इसी प्रकार लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर एवं रानी दुर्गावती की जन्म जयंती के अवसर पर महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया जाना है महिला मोर्चा से इस कार्यक्रम की चर्चा कर योजना बनावें। इस अवसर पर सांसद सुधीर गुप्ता ने बैठक को संबोधित करते हुवें कहा कि मंदसौर जिले में जिला भाजपा का संगठन बूथ स्तर पर काफी मजबूत एवं सशक्त है संगठन की बदोलत हम फिर इस लोकसभा क्षेत्र मे ऐतिहासिक विजय प्राप्त कर सके है मुझे पूर्ण उम्मीद है कि भोपाल मे आयोजीत प्रदेश बैठक मे मंदसौर जिले से जो अपेक्षा व्यक्त की है उस अपेक्षा पर मंदसौर जिला, भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में खरा उतरेगा। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने संबोधित करते हुवें कहा कि प्रदेश मे आयोजित बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया से जो मंशा शीर्ष नेतृत्व ने रखी है वही मंशा व विश्वास भाजपा जिलाध्यक्ष इस बैठक में माध्यम से आप सभी पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्षों पर रख रहे है । आप सभी के सहयोग से मंदसौर जिले में समस्त संगठन कार्यक्रम बखूबी से संपादित होंगे ऐसा हमारा पूर्ण विश्वास है। बैठक का संचालन भाजपा जिला महामंत्री गणपतसिंह आंजना ने किया व आभार भाजपा जिला महामंत्री राजेश दीक्षित ने माना।

बैठक में भाजपा जिला पदाधिकारीगण शिवराजसिंह राणा, संजय मुरडिया, राजेश नामदेव, राजु चावला, राजेश सेठिया, राजेश पालीवाल, नरेन्द्र पाटीदार, प्रीति रोकले, अजय तिवारी, कृष्णपालसिंह शक्तावत, दिलीपसिंह तरनोद, रमादेवी गुर्जर, मनुप्रिया यादव, अंकित सोनी, निलेश जैन, राहुल मुजावदिया, रणजीतसिंह चौहान, निर्मला गुप्ता, अशोक सूर्यवंशी, अशोक निनामा, सुनिल पटेल, नम्रता चावला सहित मोर्चा के जिला महामंत्रीगण, मंडल अध्यक्ष सौदानसिंह गुर्जर, अभिषेक मांदलिया, उमरावसिंह चौहान, चन्द्रप्रकाश पण्डा, राजमल सुरावत, धीरज संघवी, नेपालसिंह, ओमप्रकाश परमार, लालसिंह देवडा, जीवन शर्मा, सामंतसिंह, जितेन्द्र जाट, विकास सुराणा, ईश्वरसिंह पंवार,अरविंद सारस्वत आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मिडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

साधक योग शक्ति को पर्यावरण संरक्षण में लगाएं-योग गुरु

योग साधकों ने एक पौधा जीवन साथी के नाम कार्यक्रम के तहत किया पौधारोपण

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। साधक योग की शक्ति को पर्यावरण संरक्षण में लगाएं और स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित धरा के निर्माण में योगदान करें। उक्त बात दशपुर योग शिक्षा संस्थान के संस्थापक योग गुरु सुरेन्द्र जैन ने अपनी 57वीं विवाह वर्षगांठ पर साधकों द्वारा आयोजित एक पौधा जीवन साथी केनाम पौधारोपण कार्यक्रम में कहीं। इस दौरान में तलेरा विहार में योग गुरू श्री सुरेन्द्र जैन व श्रीमती सोरभ जैन व योग साधकों ने विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाये तथा उनके संरक्षण की जिम्मेदारी जैन दम्पत्ति ने ली।

पौधारोपण पश्चात् आयोजित कार्यक्रम में योग गुरू श्री जैन ने कहा आज हम बिगडते पर्यावरण और बढते प्रदूषण को कंट्रोल करने के कदम सार्थक कदम उठायेंगे तभी हम आने वाली पीढी को बेहतर भविष्य दे सकेंगे। पर्यावरण संरक्षण हेतु सभी को मिल-जुलकर कार्य प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी मिलिन्द जिल्हेवार ने कहा कि हम अपने घर के बगीचों व गमलों में औषधीय पौधे लगाये जिससे वातावरण संतुलित होने के साथ-साथ आवश्यकता पडने पर उनके औषधीय गुणों का लाभ भी प्राप्त किया सकेगा। आपने कहा कि औषधीय पौधों में कई उपचारात्मक गुण होते हैं जो हमें विभिन्न बीमारियों पर काबू पाने में सहायता करते हैं। संस्था सचिव लोकेन्द्र जैन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए पौधारोपण के लिए सभी को जागरूक होना जरूरी है। तभी पौधों केा पेड बनाया जा सकेगा। योग साधकों द्वारा योग भवन परिसर में अनेक पौधे लगाऐ जो आज बेहतर स्थिति में है, उनकी देखरेख की जा रही है तथा वह बडे होकर उनमें फूल आ गये है। आपने आमजन से संस्था द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित नि:शुल्क योग कक्षाओं का लाभ लेने का आव्हान भी किया। पौधारोपण कार्यक्रम में ओम गर्ग, रमेश खत्री, प्रीति जैन, जिनेन्द्र उकावत, विजय पलोड, राजेन्द्र चाष्ट, धर्मदास संगतानी, राजकुमार अग्रवाल, ललित जैन, सुभाष पाटीदार, कंवरलाल पाटीदार, कपिल भण्डारी, प्रेमेन्द्र चौरडिया, ज्योति चौरडिया आदि उपस्थित थे। संचालन संस्था अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने किया व आभार संस्था उपाध्यक्ष जितेश फरक्या ने माना।

श्वेत हरित नीमच अभियान के प्रति नीमचवासियों ने दिखाया उत्साह

तीस से अधिक स्थानों पर रौपे चम्पा के पौधे, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर एवं अधिकारियों ने रौपे पौधे

नीमच, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के आव्हान पर एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, पर्यावरण संरक्षण से जुडी संस्थाओं के पदाधिकारियों, अधिकारी, कर्मचारियों, शिक्षकगणों, विद्यार्थियों और आमजनों ने श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत चम्पां के पौधा रोपण के लिए अभूतपूर्व उत्साह दिखाया और विभिन्न स्थानों पर वृहद स्तर पर चम्पा का पौधा रोपण किया गया। विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपडा, पार्षदगणों, कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम डॉ.ममता खेडे व अन्य अधिकारियों ने विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ कलेक्टोरेट परिसर, नीमच नवीन तहसील कार्यालय परिसर स्कीम नम्बर 36 ग्रीन बेल्ट में, एन.एस.जी. ग्रुप, वाटिका में एन.एस.जी. ग्रुप के सदस्यों एवं अमृत वाटिका में पेंशनर्स संघ के पदाधिकारियों के साथ वृहद स्तर पर चम्पा के पौधो का रोपण किया।

विधायक श्री परिहार एवं कलेक्टर श्री जैन ने शाबाउमावि क्रमांक-2 के प्रांगण में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों, शिक्षकगणों एवं बडी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ चम्पा के पौधो का रोपण किया। विधायक श्री परिहार एवं कलेक्टर श्री जैन ने श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत शुक्रवार को जिला चिकित्सालय परिसर नीमच, शासकीय पीजी कॉलेज नीमच, कोठी स्कूल नीमच के परिसर में भी चम्पा के पौधो का रोपण किया। इस मौके पर मंदसौर के पूर्व विधायक श्री यशपाल सिह सिसोदिया, पूर्व न.पा.उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र भटनागर, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री विश्वदेव शर्मा, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, श्रीमती रश्मी श्रीवास्तव, श्री चंद्रसिह धार्वे एवं अन्य अधिकारी, छात्र-छात्राए एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। विधायक श्री परिहार, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिह सिसोदिया एवं कलेक्टंर श्री दिनेश जैन ने कॉलेज परिसर में स्वामी विवेकानन्द जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पौधारोपण:- श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद व अन्य अधिकारियों ने श्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय नीमच केपरिसर में भी चम्पा का वृहद पौधारोपण किया। इस मौके पर मेडिकल कालेज का स्टाफ, फेकल्टी, चिकित्सकगण व विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नवीन मण्डी प्रांगण में पौधारोपण:- श्वेत हरित नीमच अभियान के तहत शुक्रवार को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान, कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड एवं अन्य, अधिकारियों, मण्डी व्यापारियों और मण्डी स्टाफ व्दारा वृहद स्तर पर चम्पा के पौधो का रोपण किया गया। मण्डी सचिव श्री उमेश बसेडिया, मण्डी निरीक्षक श्री अनिल सिह परिहार एवं स्टाफ सदस्यो तथा मण्डी व्यापारी संघ के सचिव श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अन्त में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भी भेंट किये गये।

एनसीसी एवं स्काउट छात्रों ने भी किया पौधारोपण:- श्वेत हरित अभियान के तहत बडी संख्या में एनसीसी एवं स्काउट गाइड के विद्यार्थियों ने कलेक्टर कार्यालय, तहसील कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय भवन के सामने स्कीम नम्बर 36 के ग्रीन बेल्ट में वृहद स्तर पर चम्पा के पौधे रौपे।

आमजनों ने भी की सहभागिता:- श्वेत हरित नीमच अभियान केतहत नीमच के रहवासियों एवं आमनागरिकों ने भी वृहद चम्पारौपण अभियान में सहभागिता की। आमजनों ने अपने घरों में बडे गमले में चम्पा के पौधे रौपे साथ ही घर के आसपास उपलब्ध स्थानों पर आम नागरिकों ने चम्पा का पौधा रोपण किया।

श्रीमती वर्मा की स्मृति में प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इसवर्ष विदेहमुख श्रीमतीअनुराधा वर्मा की तृतीय पुण्यतिथि पर उनके पतिश्रीओ.पी.वर्मा द्वारासंचालित श्रीमती अनुराधा वर्मावेलफेयर सोसायटी एवंगौतम बुद्ध सहकारी साख संस्था मर्यादित, मन्दसौर के संयुक्त तत्वाधान में मनमोहन वाटिका रिसोर्ट रेवासदेवडा रोड स्थित मंदसौर में प्रतिभा सम्मान समारोह काआयोजन कियागया। श्रीओ.पी.वर्मा एवं उनके परिवार के सभी सम्मानिय सदस्यों द्वारा श्रीमती विदेहमुख अनुराधावर्मा के छायाचित्र परपुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।स्वागतभाषण एवंवरिष्ठ संचालक श्रीओ.पी.वर्मा द्वारा समस्त अतिथियों का मोतीमालापहना कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीबंशीलाल गुर्जर (राज्य सभा सांसद) एवंविशेषअतिथि श्रीरणजीत सिंह जी मैहर एवंश्री कमल सिंहजी वर्मा, पूर्व डीप्टी कलेक्टर के आतिथ्य में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम मेंश्रीबंशीलालजी गुर्जर एवंअन्य गणमान्य अतिथियों द्वाराकक्षा 5वीं, 8वीं 10वीं, 12वीं में 70 प्रतिशतसे अधिक अंक प्राप्त करने वालेलगभग 80 छात्र-छात्राओंकाप्रमाण पत्र, प्रतीकचिन्ह द्वारा उपस्थित अतिथियों नें पुरस्कारप्रदान कर सम्मानीय कियागया। साथ हीन संघलोक सेवा आयोग सेचयनित श्रीहर्षवर्माडी.एफ.ओ. के पद पर एवंराज्य सेवा आयोगसे चयनितडॉ. दीपमाला राठौड ए.एम.ओ. के पद पर एवं श्री आनंद डावरबी.ई.ओ.के पद पर चयन होने पर सम्मानीय किया साथ ही शासकीय अधिकारीक सेवामें कर्मणता पूर्ण सेवा में शासकीय कन्या महा विद्यालय मेंपदस्थ प्रोफेसर कविता बुन्देला द्वारा 13 शोध पत्र प्रकाशित जर्मनी, फ्रांस, इण्लेड, यू.एस.ए. मेंकिये गयेतथा शिक्षक, पटवारी, इंजीनियर प्रतिभाशाली कॉलोनीनाईजर, मेडिकल कॉलेज हेतु चयनित छात्र-छात्राओं के साथहीसेवानिवृत्त शासकीय सेवकों, प्रतिभाशाली खिलाडी एवं अन्य प्रतिभाओं कासम्मान किया गया। श्रीमतीवर्मा के भाईश्रीमनोजकुमाररजक ने अपनी बहन स्वर्गीय श्रीमती अनुराधा वर्मा की विशेषता पर अपने विचार प्रकट किए तथा श्री रघुवीर मालवीय अध्यक्ष गौतमबुद्ध साख सहकारीसमिति की रूपरेखा प्रकट की।श्रीओ.पी.वर्मा ने अन्य शहरनीमच, जबलपुर, इन्दौर, महू, बडवाह, सागर, से पाधारे हुए अतिथि महानुभावका सोसाईटी का दुपटटा पहनाकर सम्मानित किया गया। प्रतिभा सम्माान समारोह केपश्चातप्रसिद्ध कक्षावाचक श्रीराजु शास्त्रि एवंविश्व प्रसिद्ध श्रीनवीन जी वैष्णव द्वाराप्रसिद्ध भजन कासंगीत पार्टी में भजन प्रस्तुत कर किये तथा साथ ही विश्व प्रसिद्ध नसतरंग वादक श्रीमनीरामजी पथरोड (गिनिज बुकमेंनाम दर्ज) के द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कियागया। कार्यक्रम मेंउपस्थित गौतम बुद्ध सहकारी संस्था के संचालक मण्डल पदाधिकारी श्री यू.आर.पंचोली, श्रीजगदीश खिची, श्री इरमलजाटव, श्रीमती लीलावती परिहार, जे.पी. अहिरवार, के.सी. मिम्मरोट, श्रीजगदीश सलोद ओर संस्था के सभी सदस्य थे।

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक 15 को

नीमच, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत नीमच साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत अध्य क्ष श्री सज्जनसिह चौहान की अध्याक्षता में 15 जुलाई को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष नीमच में आयोजित की गई है। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने जिला पंचायत के सभी सदस्यों से इस बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया है। सभी जिला अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ कल

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ 14 जुलाई 2024 को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह मुख्य अतिथि एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षतमा में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उदद्याटन एवं विद्यार्थियों हेतु बस सेवा का शुभारंभ श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर से वर्चुअली किया जायेगा। जिसका सीधा प्रसारण महाविद्यालय के श्री कुशाभाउ ठाकरे प्रक्षागृह में किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जन, अध्यक्षता सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विशिष्टअतिथि विधायक श्री विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं स्थानिय प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी की उपस्थिति में होगा।

पौधों का बच्चों की तरह संरक्षण जरूरी-मंत्री कुशवाह

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 'एकपेडमॉकेनाम' अभियान में उद्यानिकी विभाग प्रदेश में 20 लाख पौधे लगाएगा। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि पौधों का संरक्षण जब बच्चों की तरह किया जाएगा, तभी शत-प्रतिशत पौधे वृक्ष का रूप ले सकेंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पौध-रोपण के साथ उनके लिये खाद, पानी और सुरक्षा के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड माँ के नाम' अभियान को मध्यप्रदेश में जन अभियान बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सफल बनाने की जिम्मेदारी हम सब पर है। श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी विभाग द्वारा 20 लाख 5 हजार पौधे 52 जिलों में रोपित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान में शासकीय नर्सरी से छायादार वृक्षों के साथ-साथ फलदार वृक्ष जिनमें आम, अमरूद, जामुन, शहतूत, आंवला के पौधे स्थानीय कृषकों को लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि वह स्वयं भी एक किसान हैं। पौध-रोपण के साथ उनकी सुरक्षा व्यवस्था करना अति आवश्यक है। फलदार वृक्ष संरक्षित किया जाना चाहिए। लगातार उनकेखाद, पानी की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि उद्यानिकी विभाग के अधिकारी पौध-रोपण के उपरांत उनके पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये भी नियमित समीक्षा करें।

औद्योगिक क्षेत्रों में 825 पौधे रोपे गए

नीमच, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत उद्योग विभाग नीमच व्दारा औद्योगिक क्षेत्रों में पौधारोपण का कार्य किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में सभी प्रकार के 825 पौधे रोपे गये। साथ ही श्वेत हरित नीमच अभियान अंतर्गत 200 पौधे चम्पा के रोपे गये। औद्योगिक क्षेत्र नीमच में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में जिले की वृहद स्त र की औद्योगिक इकाईयां मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट के श्री अभिषेक साह, श्री अनुप पांडे, मेसर्स अडानी विलमार प्रा.लि.से श्री यशवंत यादव, श्री आशीष कच्छा रा, उद्योग संघ नीमच से श्री अशोक चोरडिया, श्री अनीश नागोरी तथा उद्योग विभाग की प्रबंधक सुश्री चंचल अग्रवाल तथा श्री अनुराग मिश्रा एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

सतगुरू टेऊँरामजी महाराज के जन्मोत्सव पर व्यंजनों का भोग लगाया

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री प्रेमप्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरूषोत्तम शिवानी ने बताया कि सिन्धी हिन्दू समाज की प्रमुख धर्मपीठ श्री प्रेमप्रकाश पंथ के आचार्य सद्गुरु स्वामी टेऊँरामजी महाराज के 138वें जन्मोत्सव के अंतर्गत सत्संग सभा में संगत द्वारा श्रद्धापूर्वक तैयार 138 व्यंजनों का 56 भोग श्री प्रेमप्रकाश आश्रम ब्यावर के संत श्री शंभूलालजी प्रेमप्रकाशी ने यूट्यूब चैनल व आश्रम में महिला मण्डली के प्रमुख श्री पुष्पा पमनानी एवं महिला मण्डली ने -

मेरे सतगुरू भोग लगाओ, मेरे गुरूवर भोग लगाओ, हाथ जोडकर विनय करू में, आओ भोग लगाओ।। ऐसा भोग लगाओ मेरे गुरूवर, विष भी अमृत हो जावे.... भजन के माध्यम से भोग लगाया। श्रीमती पुष्पा पमनानी ने स्वामी टेऊँराम महिमा के सुन्दर प्रसंगों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि संत महापुरूषों की लीला अपरम्पार है। वे जैसा चाहे-वैसा कर सकते है। फिर चाहे मिट्टी को भी सोना कर दे। अंत में पल्लव पाकर प्रसादी भण्डारा आयोजित किया गया। आभार प्रदर्शन श्रीमती देवकी कोठारी एवं सपना पमनानी ने प्रकट किया। महिला मण्डली के तत्वावधान दादी पुष्पा पमनानी ने अपने मुखारविंद सत्संग में आचार्य सतगुरु स्वामी टेऊँराम महाराज के जीवन चरित्र पर कहा कि आचार्य श्री का गौमाता से इतना प्रेम था कि जब आप श्री अन्तरध्यान हुए तो वे जिस गौ माता कि पूजा करके दूध ग्रहण करते थे उस गाय माता का भी देहांत हो गया। महिला मण्डली ने गौमाता के भजनों की वर्षा करते हुए गौमाता की पूजा अर्चना आरती कर गौधन को हरे घास का भण्डारा करवाया गया। गो पालकों का गो सेवा के लिये सम्मान किया गया। श्री गोपालकृष्ण गौशाला के संचालक मण्डल का संगत एवं आभार प्रदर्शन नन्दू आडवानी एवं सुरेश बाबानी ने प्रकट किया।

कंजरों ने किया स्टॉपडेम तोड़ने का प्रयास

सुवासरा, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर से 15 किमी दूर ग्राम धानडाखेडा के समीप स्थित कालीसिंध नदी में शुक्रवार को दोपहर 12 बजे करीब 50 से अधिक कंजरो ने वहां पर बने स्टॉपडैम को तोडने का प्रयास किया। घटना की जानकारी ग्राम धानडाखेडा में चल रही कथा के कार्यक्रम में पहुंचे राजस्थान से आए मेहमान ने ग्रामवासियों को दी। जिसके बाद कुछ ग्रामीण नदी पर स्थित नगर परिषद के पेयजल इंटकवेल के यहां पहुंचे। और वहां से इन कंजरो को स्टॉपडेम तोडने से मना किया। जवाब में कंजरो ने ग्रामीणों को देख लेने की धमकी भी दी। कुछ समय बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने फोन के माध्यम से आस पास क्षेत्र से और ग्रामीणों को इकट्ठा कर कंजरों पर पत्थर फेंके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कंजरो ने दो से तीन हवाई फायर भी किए। ग्रामीणों की संख्या बढते देख और विरोध के बाद कंजर स्टॉपडैम तोडने के लिए लाई गई जेसीबी मशीन को मौके पर छोड कर भाग गए। जिसके बाद वहां मौजूद ग्रामीणों ने नगर परिषद सी एम ओ संजयसिंह राठौर, अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ बालाराम परिहार को घटनाक्रम की सूचना दी। इनके साथ ही पुलिस को भी घटना के बारे में बताया गया। लेकिन पुलिस की टीम एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। क्षेत्र में इतनी बडी घटना होने के बाद भी प्रशासन इसे अज्ञात लोगों के द्वारा डैम को क्षति पहुंचाने का मामला बता रही है। इतना ही नहीं टी आई कमलेश प्रजापति से जब मामले की जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा की अभी तक इस घटना को लेकर किसी का भी कोई आवेदन नही आया है। जबकि परिषद के सी एम ओ संजय सिंह राठौर ने अज्ञात लोगों द्वारा डैम को क्षति पहुंचाने वाले के खिलाफ कार्यवाही को लेकर आवेदन दोपहर 2 बजे थाने में दिया। वहीं परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ बालाराम परिहार ने भी थाने में आवेदन देने की बात स्वीकारी।

यदि यह स्टॉप डैम तोड दिया जाता तो सुवासरा नगर में पानी का संकट गहरा जाता।क्योंकि पूरे नगर में 25 करोड से अधिक की इस पेयजल योजना से पानी वितरण किया जा रहा है। अब मामले में दोनो प्रशासनिक अधिकारी के अलग अलग बयानों से संशय बना हुआ है। और जो जेसीबी मशीन थाने में प्रशासन लाया वो किसकी हे। हालांकि प्रशासन ने अभी इस पर कोई बात नही की। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेसीबी मशीन भाजपा के किसी नेता के रिश्तेदार की बताई जा रही है। जिसके कारण प्रशासन पूरे मामले को गोलमाल करने में लगा हुआ है। ग्रामीणों ने नाम नही छापने की शर्त पर बताया कि कंजरो को इस स्टॉपडेम से मुख्य परेशानी यह है की इसमें पानी इकट्ठा होने से रात्रि में उनको नदी से आने जाने में परेशानी होती है। हालांकि नदी में अभी पानी बहुत कम है इसका फायदा उठाकर ये लोग स्टॉपडैम को तोडने पहुंचे थे। कंजरो की सक्रियता के चलते क्षेत्र में अभी बाइक चोरी की घटना भी हो रही। उसके बावजूद भी पुलिस की उदासीनता उनकी कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह स्वयं लगा रही है। नगर परिषद के जिम्मेदारों ने भी घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर जाना जरूरी नहीं समझा और अध्यक्ष और सी एम ओ ने अपने मातहतों को वहां पर भेज दिया। थाने पर भी परिषद के अदने से कर्मचारी को आवेदन के साथ भेज दिया। रात 8 बजे तक इस मामले को लेकर कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

इनका कहना...

मै अभी मौके पर हुं। घटना को लेकर किसी का भी आवेदन थाने पर नही आया।

कमलेश प्रजापति
थाना प्रभारी सुवासरा

ग्रामीणों की सूचना पर परिषद के कर्मचारी को मौके पर भेजा था। जिसके बाद सी एम ओ ने कार्यवाही को लेकर आवेदन थाने में दिया था।

डॉ बालाराम परिहार
नप अध्यक्ष प्रतिनिधि सुवासरा

घटना को लेकर थाने में आवेदन भिजवाया था। में पता करता हूं। उसका क्या हुआ।

संजय सिंह राठौर
सी एम ओ नगर परिषद सुवासरा

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	36	2420	2470
उडद	1	6600	6600
सोयाबीन	4130	3500	4520
गैहु	3072	2630	3120
चना	136	5650	6661
मसुर	155	5800	6326
धनिया	150	4990	7000
लहसुन	12200	6801	22500
मैथी	450	4880	6000
अलसी	720	5600	6021
सरसो	237	5100	5390
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	56	10001	12231
प्याज	3454	1000	2802
कलोंजी	23	13000	19341
डॉलर	25	8800	10880
तिल्ली	64	9801	12351
मटरसुखी	2	5556	6000
असालीया	48	9192	11065

दिनांक 13 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

❊ जन्मकुंडली के सप्तम भाव मे बैठा केतु व्यक्ति को वैवाहिक जीवन में संतुष्ट नहीं होने देता तथा विवाह या सगाई होकर विच्छेद की सम्भावना रहती है। अत: पति-पत्नी दोनों की कुंडलियो का उचित मिलान ही इसका समाधान है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

मप्र सरकार मोदीजी की चार जातियों गरीब, युवा, महिला व किसानों के लिए कार्य कर रही-सांसद

जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर प्रेसवार्ता सम्पन्न

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं भाजपा प्रदेश मिडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल के निर्देशानुसार आज जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर 07 जुलाई को भोपाल में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की विस्तारिक प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पारित राजनीतिक प्रस्तावों और 03 जुलाई को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता 12/07/24 को जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर प्रेसवार्ता के माध्यम से मिडिया बंधुओं से रुबरु हुए। प्रेसवार्ता में राज्य सभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, विधायक हरदीपसिंह डंग, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी निलेश जैन सहित नगर के गणमान्य प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मिडिया बंधु उपस्थित रहें। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने संबंधित विषय की जानकारी देकर उपस्थित पत्रकार बंधुओं का शब्दों से सम्मान किया। आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और परिश्रम से भाजपा को मध्यप्रदेश सहित देशभर में इस लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा बीते दस वर्षों में किंए गए गरीब कल्याण, सुशासन के कामों और जनहित की योजनाओं के कारण ही मध्यप्रदेश के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सभी 29 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। इसके साथ ही दक्षिण के राज्यों के साथ देश भर में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है।

मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा–सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा बताई गई चार जातियों के कल्याण के लिए मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार लगातार कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार का हाल ही में 03 जुलाई को विधानसभा में प्रस्तुत बजट प्रदेश की जनता को आत्मनिर्भर बनाने के साथ 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान देने वाला है। भारत के इतिहास में 6 दशकों के बाद स्थिर सरकार के वैश्विक महत्व को रेखांकित करते हुए लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए स्पष्टबहुमत से हमारी सरकार एवं श्री नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया। 2024 का यह चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है। देश में बहुत से राज्य ऐसे है जहां भाजपा का अपना वोट प्रतिशत भी बढ़ा है जिसकी मुख्य वजह भाजपा की सरकारें एवं कार्यकर्ताओं की लगन तथा मेहनत रही है। 2019 के मुकाबले 2024 के लोकसभा चुनाव में देश के विभिन्न राज्यों में हमारा वोट प्रतिशत बेहतर हुआ है।

फिर एक बार चरितार्थ हुआ एमपी के मन में मोदी–सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मन मस्तिक में मध्यप्रदेश का विशिष्ट स्थान है। यह यूं ही नहीं कहा गया है कि मोदी के मन में एमपी और एमपी के मन में मोदी है। बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने देश के हृदय मध्यप्रदेश मे बारम्बार, आगमन कर हमें गौरव प्रदान किया हैं, उन्होंने विश्वास भी दिया है और स्नेह, आर्शीवाद भी प्रदान किया है। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के सामूहिक नेतृत्व, कुशल रणनीति के साथ ही समर्पित कार्यकर्ताओं की श्रृंखला ने विधानसभा और लोकसभा की पूर्ण विजय को सुनिश्चित किया। 2023 में हुए मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी मध्यप्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पर विश्वास प्रकट करते हुए 163 विधानसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय दिलाकर एमपी के मन में मोदी को चरितार्थ किया था। अब लोकसभा के चुनाव में भी प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत देकर मध्यप्रदेश की जनता जनार्दन ने एमपी के मन में मोदी के ध्येय वाक्य को फिर एक बार चरितार्थ कर दिया है।

मध्यप्रदेश सरकार का बजट कुशल वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता है–उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। हमारे कर्मठ व जुझारू मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार का प्रयास है कि आगामी 5 वर्षों में प्रदेश के वार्षिक बजट के आकार को दोगुना किया जाए। इस संबंध में पहला कदम 2023-24 के बजट की तुलना में बिना कोई नया कर लगाये वर्ष 2024-25 के बजट में 16 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। प्रदेश में निरंतर कुशल वित्तीय प्रबंधन एवं आर्थिक गतिविधियों के विस्तार से प्रदेश में प्रतिव्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। 2003-04 में प्रति व्यक्ति आय मात्र 13 हजार 465 रूपये थी, जो कि बढ़कर अब लगभग 11 गुना हो गई है। जनवरी-2024 में जारी रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश के 2 करोड़ 30 लाख लोग गरीबी से बाहर आये हैं। पिछले 10 वर्षों में चार करोड़ प्रधानमंत्री आवास बनाए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण और अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण के लिए प्रतिबद्ध–सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा महिला सशक्तिकरण और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री जी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर महिलाओं को बराबरी का हक दिया है। भाजपा सरकार की लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, उज्जवला योजना, मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि जैसी योजनाओं तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वामित्व का अधिकार दिए जाने से महिलाओं में आत्मविश्वास की वृद्धि हुई है। प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत योजना प्रारंभ से लेकर अब तक 48 लाख 3 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

हर वर्ग के लिए कार्य कर रही भाजपा सरकार–उन्होंने कहा कि इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को 224 करोड़ की राशि का भुगतान करने की सबसे लंबित मांग का प्रदेश सरकार ने समाधान किया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 3000 रू. प्रति बोरा से बढ़कर 4000 रू. किया गया है। 35 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को लाभ देने का निर्णय किया गया है। किसानों को राहत पहुंचाने के लिए नामांतरण, बंटवारा और सीमाकंन के 3 लाख 70 हजार से अधिक लंबित प्रकरणों का निपटारा किया गया है। 7 लाख युवाओं को 5 हजार करोड़ रू. का स्व-रोजगार ऋण वितरित किया गया है।

कांग्रेस सनातन और राष्ट्रविरोधियों के साथ–उन्होंने कहा कि एक ओर जहां जनता के आशीर्वाद के साथ भारतीय जनता पार्टी सरकार लगातार पूरी पारदर्शिता, प्रमाणिकता और परिश्रम के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करती रही है, वहीं कांग्रेस विपक्ष के रूप में भी लोकतंत्र में मजाक का विषय बन गयी है। यह भी पहली बार होगा कि कांग्रेस में अपनी नीति-नेतृत्व और सनातन विरोधी मानसिकता के कारण भगदड़ मची हुई है। अब तक सर्वाधिक कांग्रेसियों ने कांग्रेस छोड़ी है और भाजपा को अपनाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा महिलाओं के प्रति अभद्र और गैरकानूनी टिप्पणियां, कांग्रेस नेतृत्व का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार राजनीतिक परिदृश्य को दूषित करता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार के बाद भी आत्म अवलोकन की अपेक्षा हुड़दंग और अराजकता कांग्रेस की पहचान बन चुकी है। विकृत भाषा, तथ्यहीन आरोप, संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करना कांग्रेस का नियमित व्यवहार बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विरोध करते-करते कांग्रेस भारत का विरोध और भाजपा का विरोध करते करते अब हिन्दुओं का अपमान करने में गर्व महसूस करने लगी है। भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश अपने दायित्व का ध्यान रखते हुए विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए जुटी है। हमारा विचार राष्ट्र प्रथम है और हमारी प्रेरणा अंत्योदय है। अभी हमें आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश बनाने के लिए हमे अपनी बूथ समिति के सशक्तिकरण के प्रयासों को और अधिक बढ़ाना है। पन्ना प्रमुख की संकल्पना को पूर्णत: सिद्ध करना है, क्योंकि संगठन तंत्र की शक्ति ही, वैभव का चित्र सजाती है।

आज मंदसौर में निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य एवं विशाल रथयात्रा

शाही रथ में सवार भगवान के श्रीविग्रह को भक्त खीचेंगे, यात्रा मार्ग पर सजेगी आकर्षक रंगोली

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदसौर द्वारा आज 13 अप्रैल, शनिवार भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। दोप. 2 बजे स्थानीय घण्टाघर से शुरू होने वाली इस रथयात्रा में शाही रथ में जगन्नाथ धाम पुरी से आए भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलदाऊ के श्रीविग्रह को विराजित कर नगर भ्रमण कराया जाएगा। इस शाही रथ को करीब 250 फीट लंबी रस्सी से भक्त खीचेंगे। यात्रा से पूर्व यात्रा मार्ग में जगह-जगह आकर्षक रंगोलियां सजाई जाएगी जो श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगी।

इस्कॉन सेंटर मंदसौर के धीरज पोरवाल ने बताया कि पुराणों के अनुसार रथयात्रा का अति महत्व है। रथ पर सवार भगवान जगन्नाथ के दर्शन मात्र से पुनर्जन्म नहीं लेना पड़ता। सारे पापों से मुक्ति मिलती है। रथ की रस्सी को खींचने से मोक्ष की प्राप्त होती है। अगर कोई व्यक्ति भगवान जगन्नाथ के रथ के आगे या पीछे ही भ्रमण कर ले तो उसे भगवान विष्णु के समान पद और ऐश्वर्य प्राप्त होता है। आपने बताया कि विगत वर्ष मंदसौर नगर में निकली रथयात्रा में 50 हजार से ज्यादा भक्तों ने भाग लेकर पुण्य प्राप्त किया था। इस बार भी भव्य रूप से नगर में रथयात्रा निकलेगी जिसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। करीब एक माह से वार्डों एवं मोहल्लों में कीर्तन कर रथयात्रा में भक्तों को सम्मिलित होने हेतु आमंत्रण दिया जा रहा है। इस रथयात्रा में रशिया सहित अन्य देशों से भगवान के भक्त शामिल होकर कीर्तन व नृत्य कर भगवान को रिझाएंगे। यह रथयात्रा 2 बजे घण्टाघर से प्रारंभ होकर, भारत माता चौराहा, गांधी चौराहा, बीपीएल चौराहा, गुप्ता कचोरी रोड़ होते हुए लक्ष्मीबाई चौराहा स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचेगी। जहां भगवान जगन्नाथ के सुंदर विग्रह के दर्शन भी भक्तगण कर पाएंगे। रथयात्रा मार्ग में अनेक जगह सामाजिक संस्थाओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। इस्कॉन परिवार ने सभी भक्तों से भगवान जगन्नाथ की इस विशाल व भव्य रथयात्रा में सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

चतुर्थ समयमान उच्च वेतन के आदेश शीघ्र जारी होंगे

मांगों के संबंध में प्रतिनिधि मण्डल मिला ऊर्जा मंत्री व प्रमुख सचिव ऊर्जा से मिला

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री श्री सुशील पाण्डेय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ऊर्जा मंत्री एवं प्रमुख सचिव ऊर्जा से मिला तथा अपनी मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में भारतीय मजदूर संघ प्रदेश महामंत्री श्री कुलदीप सिंह गुर्जर, बिजली कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक कुमार शुक्ला, बिजली कर्मचारी महासंघ मध्य क्षेत्र महामंत्री श्री संदीप त्रिपाठी, एवं पावर इन्जिनियर्स एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारीगण उपस्थित थे। बिजली कर्मचारी महासंघ के साथ इस बैठक में कर्मचारियों के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा व सहमति बनी,। प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया गया कि शीघ्र ही अधिकारी/कर्मचारियों के हितों से संबंधित आदेश जारी किए जाएंगे। भारतीय मजदूर संघ मन्दसौर-नीमच विभाग के विभाग प्रमुख गोपाल जामलिया, मन्दसौर जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक रामावत, पूर्व जिला मंत्री चन्द्रकान्त शर्मा, विशेष आमंत्रित अनिल श्रोत्रिय, नीमच जिला अध्यक्ष मनीष नागदा, बिजली कर्मचारी महासंघ के प्रदेश सचिव महेन्द्र मोड़, द्वारकेश जोशी, यदुकिशोर व्यास, जगदीश सुनवानियां, राहुल धाकड़, मनोहर खटवड़, अनिल नेतराम, दशरथ शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, ओमप्रकाश तनान, भूपेश पांडेय आदि ने संगठन के पदाधिकारियों व ऊर्जा मंत्री आभार माना है। भारतीय मजदूर संघ कर्मचारी हितों के सदैव सहयोग हेतु तत्पर रहेगा। यह जानकारी भूपेश पाण्डेय ने दी।

श्री महाकाल मंदिर पर ड्रोन उड़ाते तेलंगाना के युवक पकड़ाए

उज्जैन, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री महाकालेश्वर मंदिर पर शुक्रवार दोपहर में निजी सुरक्षा एजेंसी के जवानों ने ड्रोन उडाते तेलंगाना के तीन लडकों को पकडा था। ये पास की एक होटल से ड्रोन संचालित करते पकडे गए थे। इनका एक साथी उज्जैन निवासी युवक ड्रोन लेकर भाग गया था। इसके बावजूद मंदिर समिति ने इन युवकों को 11सौ रूपए की भेंट रसीद काटकर छोड दिया। मामले में कोई पूछताछ नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि मामला हमारे तक पहुंचा ही नहीं है।

शुक्रवार दोपहर को हुए घटनाक्रम इस प्रकार से सामने आ रहा है कि मंदिर के उपर ड्रोन उडता देख कर कंपनी के कर्मचारियों ने तलाश की थी। इस दौरान बडा गणेश मंदिर की गली में स्थित एक निजी यात्री गृह से इसके संचालन की स्थिति सामने आने पर यहां से तेलंगाना निवासी ओमकार रेड्डी, सांईकुमार, मुकेश को पकडा गया था। खोजबीन की जानकारी लगने पर इनका साथी उज्जैन निवासी रजत शर्मा ड्रोन लेकर स्थल से निकल भागा था। कंपनी के सुरक्षा गार्डों ने इन तीनों को ले जाकर मंदिर समिति के कंट्रोल रूम के हवाले किया था। जिला दंडाधिकारी के प्रतिबंध के आदेश के विरूद्ध ड्रोन उडाने के इस मामले में मंदिर समिति के कंट्रोल रूम में इनसे जानकारी लेकर समिति की बुक क्रमांक 1193 रसीद क्रमांक 79 से ओमकार के नाम से 11सौ रूपए की सादर भेंट की रसीद काट कर युवकों को रवाना कर दिया गया। मामले में मंदिर समिति प्रशासक मृणाल मीणा का कहना था कि कंपनी के गार्डों ने हमारे कर्मचारियों के सुपुर्द युवकों को किया था बाद में हमने पुलिस चौकी के सुपुर्द युवकों को कर दिया था। महाकाल सीएसपी ओ पी मिश्रा का कहना था कि युवकों को भेंट रसीद लेकर मंदिर समिति के कर्मचारियों ने रवाना कर दिया।समिति की और से इस संबंध में हमें अवगत नहीं करवाया गया है, स्थितियों को देखते हुए पुलिस मामले में जानकारी ले रही है। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह का कहना था कि प्रतिबंध उल्लंघन की स्थिति में 188 में परिवाद पेश किया जाता है। में देखता हुं पूरा मामला क्या है।

बाइक चोरी का प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। गांधी चोक मल्हारगढ निवासी कृषि मंडी व्यापारी सुनील पिता चन्द्रप्रकाश बाफना ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई बाइक (एमपी 14 एमके 9575)तहसील परिसर गार्डन के पास खड़ी कर चला गया, व्यायामक र वापस आया तो बाइक न ही थी। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज किया।

स्मैक बरामदगी के आरोपी की तबियत खराब हुई, अस्पताल में भर्ती

पिपलियामंडी, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्मैक बरामदगी के आरोपी की दूसरे दिन भी तबीयत बिगड़ गई, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी पूछताछ से बचने के लिए नाटक कर रहा है। आरोपी 16 जुलाई तक रिमांड पर है। गुरुवार को भी उसने तबियत खराब होने का बताया था। माना जा रहा था कि उसे मिरगी के झटके आते हैं।

पिपलिया चौकी पुलिस ने बुधवार को लसुडावन (अफजलपुर) निवासी कैलाश पिता कन्हैयालाल लोधा को 976 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था। जिसे गुरुवार को कोर्ट में पेश करने के बाद 5 दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपा था। गुरुवार को भी आरोपी की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया था। शुक्रवार को फिर आरोपी की तबीयत बिगड़ गई। आरोपी ने बताया कि उसे मिर्गी आती है। मंदसौर बड़े अस्पताल में वह उपचाररत है। इधर चौकी प्रभारी रितेश नागर का कहना है आरोपी रिमाण्ड अवधि के दौरान पुलिस पूछताछ के बचने के लिए नाटक कर रहा है, आरोपी शातिर तस्कर है, लम्बे समय से स्मैक तस्करी में लिप्त है। फिलहाल उसे मंदसौर इलाज के लिए भर्ती कराया है, जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस फिर आरोपी से पूछताछ करेगी।

नवविवाहिता की संदिग्ध मृत्यु, पीएम रिपोर्ट बाकी

सीतामऊ, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के ग्राम चिकला में शुक्रवार सुबह एक नवविवाहिता युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। परिजन उसे अलसुबह बड़े अस्पताल लेकर आए थे, यहां डॉक्टर ने मृत घोषित किया। पुलिस के अनुसार राधिका पति घनश्याम बैरागी 25 वर्ष की मृत्यु पर पोस्टमार्टम कराया गया है, जिसकी रिपोर्ट आना बाकी है। उसके पति घनश्याम ने पुलिस को फरियाद की है कि रात्रि में सभी भोजन कर सो गए थे। गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात्रि में मृतका राधिका ने अपने पति घनश्याम को उठाया था, कहा कि बच्चे को पेट दर्द हो रहा है। रात्रि में बच्चे की देखरेख कर सभी सो गए। बाद में राधिका को उठाया गया तो वह नहीं उठी। जिसे परिजन अस्पताल लाए। युवती राधिका की मृत्यु के कारण अज्ञात हैं, पीएम रिपोर्ट के बाद कारण मालूम हो सकेंगे। बताया गया है कि 2019 में राधिका और घनश्याम की शादी हुई थी। मृतका शामगढ़ की रहने वाली है। मृत्यु पर मृतका के मायके वालों को भी पुलिस ने बुलाया था। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

विद्युत मंडल के कर्मचारी से गाली गलौच करने पर प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अभिषेक पिता रामलाल मोदी उम्र 37 साल निवासी पिपलिया मण्डी हाल मुकाम 34 नवकार गोल्ड संजीत रोड मन्दसौर ने वायडी नगर थाना मंदसौर में आवेदन दिया था कि मुकेश पिता राम निवासी ग्राम डोडियामीणा के द्वारा शासकीय कार्य मे बाधा डालते हुए गाली गलौच करने एवं जान से मारने की धमकी दी है। जिसकी जांच करने पर वायडी नगर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध प्रथम दृष्टिया अपराध धारा 296, 121(1), 132, 351(2), बीएनएस का पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है।

मामले के अनुसार दिनांक 12.07.2024 को समय लगभग प्रात: 10.20 बजे लाईन कर्मचारी अभिषेक पिता रामलाल मोदी के द्वारा ग्राम डोडियामीणा मे बकाया बिल की वसुली के दोरान उपभोक्ता श्रीमति उषाबाई के पति मुकेश के घरेलु कनेक्शन पर नियत दिनांक तक विद्युत बिल का भुगतान नही किये जाने के कारण बकाया राशि रू.2386/- की वसूली हेतु उपभोक्ता से सम्पर्क किया। उपभोक्ता के पति मुकेश पिता रामलाल के द्वारा बिल का भुगतान न किये जाने पर अभिषेक मोदी द्वारा कनेक्शन काटने की कार्यवाही की गई। तभी मुकेश पिता रामलाल ने अभिषेक मोदी को गंदी गंदी गालियां दी व लात घुंसो से मारपीट की एवं कनेक्शन नही काटने दिया गया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी एवं कहा कि आज के बाद कभी इस गांव मे आया तो जान मार दुगां। पुलिस ने शासकिय कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार, मारपीट एवं शासकिय कर्मचारी को जान से मारने की धमकी देने एवं शासकीय कार्य मे बाधा डालने पर मुकेश पिता रामलाल के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज की है।

विधायक डंग ने ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पौधारोपण किया

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत सुवासरा विधायक श्री डंग ने रूनीजा रोड ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीण जनों द्वारा 600 पौधे लगाए गये।पेड़ों का महत्व सिर्फ प्रकृति का हिस्सा होने से कहीं अधिक है, वे ग्रीनहाउस गैसों को कम करके जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्रिय रूप से मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, पेड़ हमारी त्वचा और आंखों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते हुए हानिकारक यूवी किरणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।इन पर्यावरणीय लाभों के अलावा, पेड़ मूल्यवान संसाधनों के रूप में भी काम करते हैं।सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस अभियान में भागीदारी निभाकर जगह-जगह पौधे रोपित कर रही हैं।

बस ने मारी कार को टक्कर

पिपलियामंडी, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कार को टक्कर मारने वाले बस ड्राइवर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। प्रशांतनगर खजराना इंदौर निवासी तपीश चोधरी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि परिवार के सथ कार (एमपी 12 जेडजे 5601) से मनासा रिश्तेदार के यहां कार्यक्रम में जा रहा था, इस दौरान पिपलियामंडी में अजय टॉकीज के सामने रहमत बस के ड्राइवर ने कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार पांचों में से किसी को चोंट नही आई। पुलिस ने बस ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपलिया स्टेशन में बिगिनर्स कोर्स का आयोजन

मंदसौर, 12 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारत स्काउट गाइड जिला संघ मंदसौर के द्वारा मल्हारगढ़ विकासखंड में एक दिवसीय स्काउट गाइड बिगिनर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपलिया स्टेशन के प्राचार्य उमाशंकर पांडे व बालक पिपलिया स्टेशन के प्राचार्य बालाराम सिसौदिया ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु स्काउट गाइड के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शिविर संचालक मांगीलाल गोड़ ने बिगिनर्स कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सहायक शिविर संचालक श्री विनोद जोशी ने दल संचालन के बारे में जानकारी दी, प्रशिक्षण में 35 प्रतिभागी उपस्थित थे। शासकीय उचतर माध्यमिक विद्यालय झार्डा के प्राचार्य मुकेश प्रजापति ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मल्हारगढ़ विकासखंड स्काउट गाइड प्रभारी कमल राठौर ने कहा सभी शिक्षक शिक्षिकाएं प्रशिक्षण अच्छे से प्राप्त करें अपनी-अपनी शालाओं में गतिविधियों के साथ -साथ स्काउटिंग एवं गाइडिंग युवाओं के संपूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक पहलुओं को व्यक्तिगत और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने का प्रयास करें। अन्त में उपस्थित सभी साथियों का आभार व्यक्त किया।

राजकुमार गुप्ता, एड०होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 54/2024 दिनांक 12.07.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्वसाधारणको इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा घनश्यामदास पिता नानुराम जी जाति बैरागी, निवासी ग्राम काल्याखेडी कला तहसील-मल्हारगढ जिला-मन्दसौर में आवासीय मकान ग्राम काल्याखेडी कला ग्राम पंचायत हिगोरिया छोटा पटवारी हल्का 00118 तातील मल्हारगढ जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड स्वत्य त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक MP249402024ए1893153, दिनाक 11/07/2024 से मेरे पक्षकार श्यामू बाई पति घनश्यामदास जाति-बैरागी, निवासी-ग्राम-काल्याखेडी कला तहसील-मल्हारगढ़ जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ़ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुसीमा व पैमाइश निम्नानुसार है-

पूर्व में-सड़क, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर में-होकमसिंह, दक्षिण में-गोपालसिह, पैमाईश-रकबा-6393 वर्ग फीट या 593.92 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति संस्था बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयान समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

कार्यालय कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी जिला मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/431/कॉलोनी/2024 मंदसौर, दिनांक- 09/07/2024

-:: सार्वजनिक सूचना ::-

(म.प्र. नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम 2021 के उपनियम 23(6), 23(7) व 24(2) (अद्यतन संशोधित) के अंतर्गत)

नगर परिषद पिपलियामंडी द्वारा नगरीय क्षेत्र की प्रथम चरण में चिन्हित 12 अनाधिकृत कॉलोनियों में से 10 अनाधिकृत कॉलोनियों के अभिन्यास को अंतिम रूप दिया जाकर नागरिक अधोसंरचना एवं भवन अनुज्ञा प्रदान करने हेतु नियमों के अधीन इन अनाधिकृत कॉलोनियों में विकास शुल्क का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

क्रं.	वार्ड क्रं.	अनाधिकृत कॉलोनी का नाम	भूमि का सर्वे क्रमांक	विकास कार्यों पर संभावित व्यय राशि (लाख में)	कॉलोनी के कुल भूखण्डों का क्षेत्रफल	विकास व्यय प्रति वर्गमीटर	विकास व्यय प्रति वर्गफीट
1	03	श्री रामेश्वर पिता भेरूलाल गुर्जर, महू-नीमच मार्ग, पिपलियापंथ (मॉ कालका विहार कॉलोनी)	118/मिन-3	12.51	533 SQM	रू. 2347/-	रू. 218/-
2	05	श्री मुकेश पिता रामनारायण माली, कृषि उपज मण्डी के सामने मनासा मार्ग, टीलाखेड़ा	208 पैकी	11.70	2469 SQM	रू. 473/-	रू. 44/-
3	05	श्री लक्ष्मीनारायण पिता प्यारचंद माली, बालाजी मंदिर के पीछे, टीलाखेड़ा	187/मिन-1	16.06	1430 SQM	रू. 1123/-	रू. 104/-
4	03	श्री जितेन्द्र पिता केलाशचंद्र लक्ष्कार व यशवंत पिता गोपाल पाटीदार, कनघट्टी मार्ग	2/4/मिन-4/ मिन-1/1	41.97	4543 SQM	रू. 923/-	रू. 85/-
5	05	श्री सोहनलाल पिता लालाराम माली, बालाजी मंदिर के पीछे, टीलाखेड़ा	169/1	34.35	3574 SQM	रू. 961/-	रू. 89/-
6	05	श्री सुनील पिता गिरधारीलाल चौधरी, बी एस एन एल कार्यालय के पीछे, टीलाखेड़ा	188/मिन-2/ मिन-2	22.35	895 SQM	रू. 2498/-	रू. 232/-
7	04	श्री कौशल्याबाई बेवा रमेशचंद व किशोर पिता रमेशचंद माली, काचरिया मार्ग (श्री बालाजी नगर)	134/2	12.80	2217 SQM	रू. 577/-	रू. 53/-
8	05	श्री जगदीश पिता नानुराम माली, जसवंतसिंह राजपूत व रणजीतसिंह राजपूत, कृषि उपज मण्डी के सामने मनासा मार्ग, टीलाखेड़ा (श्री वैंकटेश्वर कॉलोनी)	195, 196, 197 में 196/2/मिन-1, 197/2, 215 पै., 216 व 204/1	43.01	4846 SQM	रू. 887/-	रू. 82/-
9	03	श्री कमल कुमार पिता शंकरलाल गुर्जर, पावागढ माताजी मंदिर के पास, पिपलियापंथ (पावागढ विहार कॉलोनी)	12/मिन-1/ मिन-1/2	35.93	4922 SQM	रू. 730/-	रू. 67/-
10	01	श्री हेमन्त पिता मिश्रीलाल हिंगड़ व शंभुदयाल पिता मूलचंद, पुलिस थाने के सामने, पिपलियापंथ	212, 213, 214, 215	32.17	3353 SQM	रू. 959/-	रू. 89/-

उपरोक्त विकास शुल्क इस सार्वजनिक सूचना के दिनांक से 03 माह की अवधि मे जमा कराया जाना अनिवार्य हैं। विकास शुल्क जमा होने के उपरांत ही भवन अनुज्ञा प्रदाय करने की कार्यवाही की जावेगी। अन्यथा की स्थिति मे भवन/भूखण्ड स्वामी स्वयं उत्तरदायी होंगे।

कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी
जिला-मंदसौर(म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in